डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

PG-5

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमा- जी स्टूडियो की फिल्म में हुई नयनतारा की एंट्री

वर्ष -08 अंक -116 प्रयागराज, बुधवार 13 जुलाई, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल के मनाली बस स्टैंड में अचानक बाढ़, कई बसें क्षतिग्रस्त

महाराष्ट्र। गुजरात और महाराष्ट्र में भारी बारिश जानलेवा साबित होने लगी है। आसमानी आफत में दोनों राज्यों में अब तक 150 लोगों ने जान गंवाई है। गुजरात के अहमदाबाद में सबसे अधिक बुरा हाल है। वहीं सूरत में छह जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच महाराष्ट्र की बात करें तो नागपुर में एक स्कॉपिय्यो बारिश के पानी में बह गई। इसमें छह लोग सवार थे। तीन के शव मिले हैं। सभी मध्यप्रदेश के रहने वाले थे। वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आसमान में बादल छाए हुए हैं। थोड़ी देर में यहां बारिश होने के आसार हैं।हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण मनाली बस स्टैंड पर अचानक बाढ़ की स्थिति बन गई है। कई बसों के बहने की खबर है। हालांकि, जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। उत्तराखंड के चमोली में कर्णप्रयाग के पास भूस्खलन के कारण बद्रीनाथ राजमार्ग बंद हुआ। महाराष्ट्र के पालघर के वसई इलाके में भूस्खलन की घटना सामने आई है।

मानसून सत्र में अहम बिल पर तकरार के आसार

नई दिल्ली। सत्र को सुचारु रूप से चलाने के लिए संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने सत्र से एक दिन पहले 17 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसद के मानसून सत्र में सरकार और विपक्ष कई अहम मुद्दों पर आमने-सामने होंगे। इनमें सरकारी बैंकों के निजीकरण के लिए लाया जाने वाला बैंकिंग कानून संशोधन बिल के अलावा बाल विवाह रोकथाम सहित चार बिल शामिल हैं, जिन्हें असहमति के कारण संसदीय समितियों को भेजा गया था। विपक्ष इस बार सरकार को भाजपा से निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा के द्वारा विवादित टिप्पणी, सेना में भर्ती के लिए शुरू की गई अग्निपथ योजना, केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग, महंगाई और बेरोजगारी के सवाल पर घेरने की रणनीति बनाई है। सरकार ने भी जवाबी रणनीति तैयार की है।

उत्तराखंड के चमोली में भूस्खलन बद्रीनाथ राजमार्ग हुआ बंद

उत्तराखंड। भारी बारिश से गुजरात और महाराष्ट्र में तबाही गुजरात और महाराष्ट्र में भारी बारिश जानलेवा साबित होने लगी है। आसमानी आफत में दोनों राज्यों में अब तक 150 लोगों ने जान गंवाई है। गुजरात के अहमदाबाद में सबसे अधिक बुरा हाल है। वहीं सूरत में छह जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच महाराष्ट्र की बात करें तो नागपुर में एक स्कॉपिय्यो बारिश के पानी में बह गई। इसमें छह लोग सवार थे। तीन के शव मिले हैं। सभी मध्यप्रदेश के रहने वाले थे। वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आसमान में बादल छाए हुए हैं।

नवा रायपुर में जगहों के नामकरण पर छिड़ी जुबानी जंग

नई दिल्ली। भाजपा बोली-नाम बदलने से नहीं पड़ता फर्कनवा रायपुर में जगहों के नामकरण को लेकर कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर हमलावर है। भाजपा के कुशासन को जनता भूली नहीं है। भाजपा ने सत्ता में रहते हुए प्रदेश में कोई विकास कार्य नहीं किया है। छत्तीसगढ़ में लंबे समय से सड़कों और चौराहों के नाम बदलने को लेकर सियासत चल रही है। अब एक बार फिर से नवा रायपुर में जगहों के नामकरण को लेकर कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर हमलावर है। भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का कहना है कि कांग्रेस सरकार द्वारा जगहों, संस्थान आदि के नाम बदलने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि 2023 में भाजपा सरकार वापस सत्ता में आएगी और जिन जगहों, स्मारकों और संस्थानों के नाम बदले गए हैं, उन्हें पुराने नाम दे दिए जाएंगे।

भाजपा नेता का महिला के साथ वीडियो वायरल

नई दिल्ली। पद से दिया इस्तीफा महाराष्ट्र के सोलापुर में एक भाजपा नेता का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में भाजपा नेता एक महिला के साथ बेडरूम में दिख रहे हैं। वीडियो किसी घर या होटल के कमरे का है। महिला उन पर धोखा देने का आरोप लगा रही है। इस बीच भाजपा नेता महिला से कैमरा छीन लेते हैं। बताया जा रहा है, वीडियो में दिख रहा व्यक्ति भाजपा की सोलापुर जिला कार्यकारिणी का अध्यक्ष श्रीकांत देशमुख है। वीडियो वायरल होने के बाद श्रीकांत देशमुख ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपा है। हालांकि, उन्होंने इसके पीछे कोई वजह नहीं बताई है। इस वीडियो के वायरल होने के कुछ दिन पहले श्रीकांत देशमुख ने एक महिला के खिलाफ हनीट्रैप का मामला दर्ज कराया था। शिकायत के मुताबिक, महिला उन्हें ब्लैकमेल कर दो करोड़ रुपये की मांग कर रही है। इस वीडियो को महिला ने खुद वायरल किया है। बेडरूम में वह खुद ही वीडियो बनाती है। इसमें

श्रीकांत देशमुख बनियान पहने हुए दिख रहे हैं। महिला श्रीकांत देशमुख की तरफ इशारा करते हुए गंभीर आरोप लगाती है। वह कहती है, इसने मुझे फंसाया है। ये श्रीकांत देशमुख है, जिनका अपनी पतनी के बाद भी मेरे साथ संबंध है। इसके बाद श्रीकांत देशमुख महिला से कैमरा छीन लेते हैं। इस वीडियो को राजद महाराष्ट्र के ट्विटर हैंडल पर शेयर किया गया है। लिखा गया है, भाजपा में कार्यरत महिलाएं ही भाजपाई राक्षसों का शिकार हो रहीं हैं। लोकतंत्र और समृद्धि बोलने में लड़खड़ाई तेजस्वी की जुबांतेजस्वी यादव का एक भाषण इंटरनेट पर फिलहाल चर्चा का विषय बना हुआ है। जिसमें वह बीच में ही अटक गए। लोकतंत्र में समाक्ष कई चुनौतियां हैं, लेकिन हम सामूहिक प्रयास और संकल्प से छलतंत्र से बचा सकते हैं। हमारे पुरखे ने लोकतंत्र की हमारे लोकतंत्र की समृद्ध विरासत सौंपी आवश्यकता है कि हम इसे मिलकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के जड़ों को और मजबूत बना और विधानसभा की शताब्दी बना और विधानसभा की शताब्दी वर्ष के यही चुनौतियां भी हैं और अवसर भी हैं।

थोड़ा वजन कम करो तेजस्वी पीएम मोदी ने दी सलाह तो मुस्कुराने लगे लालू के छोटे लाल

बिहार। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा में शताब्दी समारोह के समापन के मौके पर कहा कि आज इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उपस्थित हुए हैं तो हम सब उनके प्रति सम्मान प्रकट करते हैं। ये पहली बार बिहार विधानसभा के परिसर में कोई प्रधानमंत्री आए है तो ये कोई मामूली बात नहीं है।बिहार के लिए मंगलवार का दिन बेहद खास रहा जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विधानसभा परिसर के शताब्दी समारोह में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान पीएम मोदी ने बिहार विधान सभा संग्रहालय भवन और अतिथिशाला का शिलान्यास भी किया। वहीं कार्यक्रम के समापन के बाद कुछ मजाकिया माहौल भी बना। दरअसल, समारोह के बाद जब सभी नेता प्रधानमंत्री को छोड़ने के लिए बाहर जा रहे थे उसी दौरान पीएम मोदी की नजर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर पड़ी। फिर क्या था पीएम मोदी ने तेजस्वी को सलाह दे डाली और कहा कि आप अपना वजन थोड़ा कम करो। पीएम मोदी की इस बात पर तेजस्वी भी मुस्कुराने लगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी दौरान तेजस्वी यादव से उनके पिता और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की सेहत के बारे में भी जानकारी ली। कार्यक्रम के दौरान उनकी संक्षिप्त बातचीत में बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था पर चर्चा हो रही थी इसी दौरान पीएम मोदी ने तेजस्वी को सलाह दी थी। बता दें कि पीएम मोदी अपने स्वास्थ्य को लेकर बेहद जागरूक रहते हैं और सोशल मीडिया पर लोगों को भी सलाह देते रहते हैं।

काली विवाद के बीच बाबुल सुप्रियो का वार, बोले-खुद के मुंह पर कालिख पोत रही भाजपा

नई दिल्ली। सुवेंदु अधिकारी द्वारा राज्यपाल को ज्ञापन देकर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कार्रवाई की मांग के बाद सुप्रियो ने ट्वीट कर ये बातें कहीं। पश्चिम बंगाल में काली विवाद गहराता जा रहा है। विपक्षी भाजपा व सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच बयानबाजी जारी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री व तृणमूल नेता बाबुल सुप्रियो ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इस विवाद में वह खुद अपने चेहरे पर कालिख पोत रही है। वह बंगालियों को मूर्ख समझती है, इसलिए उन्हें कभी समझ नहीं सकी। मंगलवार को बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने हिंदू पुजारियों के साथ राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मुलाकात करते हुए उन्हें मां काली की तस्वीर भेंट कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मां काली के खिलाफ विवादित बातें कहने वालों पर कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं, बंगाल के कई भाजपा कार्यक्रमों में देवी काली की तस्वीरें नजर आईं। भाजपा नेताओं ने राष्ट्रपति प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की और उन्हें देवी की तस्वीर भेंट की। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने काली मंदिर में पूजा की।बचकाना हरकतें कर रही भाजपा पूर्व भाजपा नेता बाबुल सुप्रियो ने काली विवाद को तूल देने के लिए कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगालियों को कभी समझ नहीं सकी, क्योंकि वह उन्हें मूर्ख मानती है। वह बचकाना हरकतें कर अपने चेहरे पर ही काला पोत रही है। यह शर्मनाक है कि राजभवन को ऐसे शर्मनाक कृत्यों का मंच बनाया गया। सुवेंदु अधिकारी द्वारा राज्यपाल को ज्ञापन देकर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कार्रवाई की मांग के बाद सुप्रियो ने ट्वीट कर ये बातें कहीं। ज्ञापन पर राज्यपाल धनखड़ ने कहा कि वे नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। उधर, भाजपा नेता अमित मालवीय के ट्वीट पर तृणमूल नेता सौगत रॉय ने कहा कि पार्टी पहले ही महुआ मोइत्रा के बयान की निंदा कर चुकी हैं, उसे भाजपा से सबक लेने की जरूरत नहीं है। दरअसल, कनाडा स्थित फिल्म निदेशक लीना मणिमेकलई ने डॉक्यूमेंटरी फिल्म 'काली' का हाल ही में एक पोस्टर जारी किया था। इसमें देवी काली का रूप धारण किए हुए एक महिला को सिगरेट पीते दिखाया गया था। इस पर बवाल मचा तभी एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने उसका समर्थन करते हुए कह दिया था कि वह उस मां काली की उपासक हैं जो मांस खाती हैं और शराब स्वीकार करती है। कई शक्तिपीठों में देवी की पूजा इसी तरह की जाती है। मोइत्रा के बयान के बाद उनके खिलाफ कई राज्यों में केस दर्ज किया गया है।

राष्ट्रपति राजपक्षे को भारत ने की भागने में मदद

नई दिल्ली।सरकार ने दिया यह जवाब श्रीलंका इन दिनों एतिहासिक आर्थिक संकट से जूझ रहा है। यहां के राष्ट्रपति भवन पर जनता ने कब्जा जमा लिया है। इस बीच खबर है कि राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे आज सुबह कोलंबो से मालदीव भाग निकले हैं। वायुसेना के विशेष विमान से वह अपनी पतनी व दो अंगरक्षकों के साथ मुल्क से फरार हो गए हैं। आज गोतबाया को राष्ट्रपति पद से इस्तीफा भी देना था। इस बीच यह खबरें भी जोर पकड़ रही हैं कि भारत ने राष्ट्रपति गोतबाया को भगाने में मदद की है। श्रीलंका की वायु सेना ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे अपनी पतनी के साथ मालदीव रवाना हो गया। बयान में कहा गया है कि, संविधान के प्रावधानों के तहत और सरकार के अनुरोध पर श्रीलंका की वायु सेना ने राष्ट्रपति, उनकी पतनी और दो सुरक्षा अधिकारियों को मालदीव के लिए उड़ान भरने के लिए आज तड़के एक विमान उपलब्ध कराया।गोतबाया के मालदीप भागने के बाद ये खबरें जोर पकड़ रही हैं कि फरार होने में उनकी मदद भारत ने की। हालांकि, भारत की ओर से इसका खंडन किया गया है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने कहा है कि निराधार और ऐसी मीडिया रिपोर्टों का उच्चायोग खंडन करता है। हालांकि, भारतीय अधिकारियों ने कहा कि भारत श्रीलंका के लोगों का समर्थन करना जारी रखेगा और पड़ोसी मुल्क को मदद पहुंचाता रहेगा। श्रीलंका में आर्थिक तबाही के बाद भड़के जन विद्रोह के बीच राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे बुधवार तड़के कोलंबो से भाग निकले। श्रीलंका की वायुसेना के विमान से अपनी पत्नी व अंगरक्षकों के साथ मालदीव की राजधानी माले पहुंच गए। आज ही वे इस्तीफा देने वाले थे, लेकिन उसके पहले वह देश छोड़कर चले गए।

भारी बारिश से हाहाकार, गुजरात और महाराष्ट्र में अब तक 153 की मौत

नई दिल्ली। इन राज्यों में आज भी वर्षा का अलर्टगुजरात, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में मौसम विभाग ने आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। छत्तीसगढ़ में भारी बारिश के बाद बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो गई है। बाढ़ के चलते राज्य का आंध्र प्रदेश से संपर्क टूट गया है। गुजरात और महाराष्ट्र समेत देश के 22 से अधिक राज्यों में बारिश और बाढ़ के चलते सामान्य जनजीवन पटरी से उतर गया है। महाराष्ट्र और गुजरात में भारी बारिश ने तबाही मचा रखी है। गुजरात के कई हिस्सों में पिछले चार दिनों से बाढ़ जैसे हालात हैं। पिछले 24 घंटे में यहां 6 लोगों की मौत हो चुकी है, अब तक 69 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, महाराष्ट्र में भारी बारिश के चलते एक जून से अब तक 84 लोगों की मौत हो चुकी है और 60 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। गुजरात, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में मौसम विभाग ने आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।महाराष्ट्र की साउंर तहसील के नंदा गोमुख में पानी के तेज बहाव के कारण कार के बह जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन लापता हैं। सभी यात्री मध्यप्रदेश के निवासी हैं। वहीं इस घटना पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रशासन की ओर से लापता लोगों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं और एनडीआरएफ से भी मदद ली जा रही है। मैं इस संबंध में नागपुर डीसी के संपर्क में हूं। जान गंवाने वालों के परिजनों को चार लाख रुपये दिए जाएंगे।राजकोट में भी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। यहां एक अस्पताल के बेसमेंट में पानी घुस गया, जिसके चलते मरीजों को स्थानांतरित करना पड़ा। गुजरात के राजस्व मंत्री राजेंद्र त्रिवेदी ने कहा कि राज्य के भरूच, छोटा उदेपुर, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। सीएम भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित नवसारी का जायजा लिया और पीडितों से मुलाकात की। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के सात जिलों में रेड अलर्ट और छह जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। तेज बारिश के बाद मुंबई में हाई टाइड का अलर्ट जारी किया गया। यहां अब तक 800 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। वहीं, मूसलाधार बारिश से आई बाढ़ में 180 जानवरों की भी मौत हुई है। गुजरात, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में मौसम विभाग ने आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। छत्तीसगढ़ में भारी बारिश के बाद बाढ़ की समस्या उत्पनन हो गई है। बाढ़ के चलते राज्य का आंध्र प्रदेश से संपर्क टूट गया है। आंध्र प्रदेश में गोदावरी नदी में मंगलवार को सुबह जलस्तर बढ़कर 12.10 लाख क्यूसेक पर पहुंच गया। इसके चलते बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के प्रबंधक निदेशक बीआर आंबेडकर ने चेतावनी जारी कर नदी के किनारे बसी बस्तियों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और बाढ़ के खतरे के मद्देनजर ऐहतियाती कदम उठाने को कहा है।

कुर्ता-पायजामा पहने और गले में गमछा डाले हेडमास्टर को डीएम ने लताड़ा.........

नई दिल्ली। जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह औचक निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान वह हेडमास्टर को फटकारते हुए कहा- क्या आप इस वेशभूषा में एक शिक्षक की तरह दिखते हैं मुझे लगा कि आप कोई स्थानीय जन प्रतिनिधि हैं। बिहार के लखीसराय के जिलाधिकारी (डीएम) ने एक हाईस्कूल के हेडमास्टर को उनकी वेशभूषा को लेकर कड़ी फटकार लगाई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। कुछ इंटरनेट यूजर्स अधिकारी को उनकी टिप्पणी को लेकर ट्रोल कर रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि हेडमास्टर कुर्ता और पायजामा पहने हुए हैं और उन्होंने गले में गमछा डाला हुआ है। वहीं स्कूल के छात्र अपनी ड्रेस में दिखाई दे रहे हैं। क्या आप इस तरह की वेशभूषा में शिक्षक दिखते हैं जानकारी के मुताबिक जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह औचक निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान वह हेडमास्टर को फटकारते हुए कहा- ठक्या आप इस वेशभूषा में एक शिक्षक की तरह दिखते है मुझे लगा कि आप कोई स्थानीय जन प्रतिनिधि है। जिलाधिकारी बाद में किसी से फोन पर बात करते हुए दिखाई देते हैं- आपके प्रधानाध्यापक मेरे सामने कुर्ता और पायजामा पहनकर बैठे हैं। वह छात्रों छात्रों को पढ़ाते नहीं दिख रहे हैं। उनका नाम निभय्र कुमार सिंह है। इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

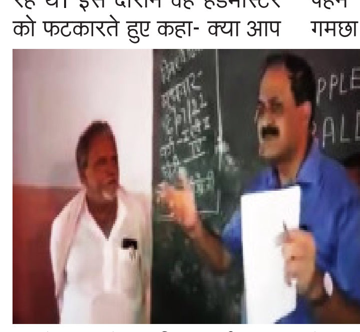

कोरोना ने बढ़ाई चिंता, देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 1.32 लाख के पार

नई दिल्ली। 45 लोगों की मौतस्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी बुधवार(13 जुलाई) के आंकड़ों के अनुसार देश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 1,32,457 हो गई है जो कि कल की तुलना में 1,441 अधिक है देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी ने एक बार फिर से लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी बुधवार(13 जुलाई) के आंकड़ों के अनुसार देश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 1,32,457 हो गई है जो कि कल की तुलना में 1,441 अधिक है। वहीं बीते 24 घंटों में कोरोना के 16,906 नए मामले सामने आए हैं और इस दौरान 45 मरीजों की जान चली गई। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 5,25,519 लोगों की मौत हुई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामलों में एक बार फिर से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी हुई कोरोना रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 400 मामले सामने आए हैं। वहीं इस दौरान एक मरीज की मौत हो गई। बता दें कि इस समय दिल्ली में कोरोना के 1960 सक्रिय मामले हैं। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में 8548 टेस्ट हुए, जिसमें से 400 कोरोना पॉजिटिव पाए गए। दिल्ली में संक्रमण दर 2.92 फीसदी रही और 381 मरीजों ने कोरोना को मात दी व एक मरीज की मौत हुई। मुंबई में कल की तुलना में 79 फीसदी अधिक मरीज मुंबई में बीते 24 घंटों में कोरोना के 420 मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में 79 फीसदी अधिक है। बता दें कि कल यानी मंगलवार को मुंबई में 235 मामले दर्ज किए गए थे। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दौरान एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई।

फूलपुर थाना क्षेत्र में एक ही दिन में दो गांवो में फांसी पर झूली विवाहिताये

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली फूलपुर के अंतर्गत एक ही रात में दो गांवों में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर झूलती हुई दो अलग-अलग गांव की विवाहिताओं की सूचना पर पुलिस के हाथ पांव फूल गए। दोनों से विवाहिताओ के भाइयों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। कोतवाली के बरेस्ता खुर्द में सुमन यादव उम्र 22 वर्ष पतनी श्रवण कुमार यादव उर्फ अरविंद यादव ने घर के बरामदे में संदिग्धावस्था में फांसी के फंदे पर झूलती देख हड़कंप मच गया। सुमन को एक 6 माह का बच्चा है। घरवालों ने साड़ी के फंदे से झूलती सुमन को देख शोर मचाया। सूचना पाकर सुमन का भाई व अन्य मौके पर पहुंचे और पुलिस को पति अरविंद, ससुर भोलानाथ, देवकली, ननंद, जेठानी सुनीता, एवं शारदा ननंद के खिलाफ फांसी पर लटकाने की तहरीर दी। इसी प्रकार जनुआडीह कला गांव में विटोला देवी उम्र 30 वर्ष पतनी मुनन भारतीय का संदिग्ध परिस्थितियों में साड़ी के फंदे से झूलता शव देख हड़कंप मच गया। बताया जाता है। कि शाम 7 बजे बच्चों को गुस्से में विटोला देवी ने मारपीट कर बाहर कर दिया था। एक लड़का 5 वर्ष वह लड़की 3 वर्ष की है। मायके वालों की सूचना मिली तो भाग कर आए जो करौहा थाना उतरांव के निवासी हैं। फूलपुर थाने में बहन को मारपीट कर फंदे पर लटकाने की बात कही और थाने में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। फूलपुर पुलिस दोनों महिलाओं का शव अपने कब्जे में लेते हुए शव विच्छेदन हेतु जिला अस्पताल भेजा।

बेगम अख्तर पुरस्कार हेतु 20 जुलाई तक होगा नामांकन -जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा मल्लिका-ए-गजल बेगम अख्तर की स्मृति में दादरा, ठुमरी, गजल विधाओं में ऐसे प्रतिभावान गायक जिसकी आयु 40 वर्ष से कम न हो को ''बेगम अख्तर पुरस्कार'' से सम्मानित किया जाता है जिसके अन्तर्गत चयनित कलाकार को रूपये 5 लाख की धनराशि, अंगवस्त्रम एवं प्रशस्ति पत्र भेंट स्वरूप प्रदान किया जाता है। बेगम अख्तर पुरस्कार हेतु कलाकार उत्तर प्रदेश का मूल निवासी अथवा उसकी कर्मभूमि उत्तर प्रदेश होना चाहिये। कलाकार को अपनी प्रतिभा की दीर्घ साधना एवं श्रेष्ठ उपलब्धि के भरसक निर्विवाद मानदण्डों के आधार पर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त होनी चाहिये। यह पुरस्कार कलाकार के गायन के क्षेत्र में सम्पूर्ण उपलब्धियों के आधार पर प्रदान कया जायेगा न कि किसी एक विशिष्ट संरचना के लिये। उन्होने बताया है कि बेगम अख्तर पुरस्कार हेतु पात्र महानुभाव दिनांक 20 जुलाई तक मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से निर्धारित प्रारूप पर नामांकन हेतु आवेदन प्राप्त किये जायेगें। बेगम अख्तर पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप संस्कृति विभाग की वेबसाइट तथा जिला सूचना कार्यालय प्रतापगढ़ से प्राप्त कर सकते है।

दुष्कर्म व हत्या के दोषी को मिली फांसी की सजा रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुसूचित जाति की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म व हत्या के दोषी को मिली मौत की सजा रद्द कर दी है और आरोपों से बरी करते हुए उसकी तत्काल रिहाई का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि अभियोजन पक्ष संदेह से परे अपराध साबित करने में नाकाम रहा है। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों तथा अभियुक्त व मृतका को अंतिम समय देखने के साक्ष्य विश्वसनीय नहीं हैं, जिसके आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया जा सके। यह फैसला न्यायमूर्ति मनोज मिश्र तथा न्यायमूर्ति समीर जैन की खंडपीठ ने बीरेंद्र बघेल की जेल अपील को स्वीकार करते हुए दिया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशेष अदालत पॉक्सो, फिरोजाबाद ने बीरेंद्र बघेल को दुष्कर्म व हत्या का दोषी करार देते हुए उसे मौत की सजा सुनाई थी। फांसी की सजा की पुष्टि के लिए हाईकोर्ट को रिफरेंस भेजा गया था। जेल अधीक्षक ने 23 सितंबर 21 को फैसले की प्रति भेजी, जिस पर अपील कायम की गई।

तेलंगाना राष्ट्र समिति के नेता ने रची थी साजिश

प्रयागराज। पांच गिरफ्तारनौ जुलाई की रात कर्नलगंज में स्टैनली रोड पर रिजर्व पुलिस लाइन के वीआईपी गेट केपास पीएम का आपत्तिजनक पोस्टर लगाया गया था। अगले दिन सुबह इसकी जानकारी हुई तो पुलिस ने अज्ञात में एफआईआर दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की। रिजर्व पुलिस लाइन के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आपत्तिजनक पोस्टर लगाने के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस का दावा है कि पोस्टर साजिशन लगवाए गए और यह साजिश तेलंगाना से रची गई। वहां रहने वाले तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के एक नेता ने फोन से संपर्क कर शहर के एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी संचालक के जरिये पोस्टर छपवाए। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर इस मामले का खुलासा कर दिया है। नौ जुलाई की रात कर्नलगंज में स्टैनली रोड पर रिजर्व पुलिस लाइन के वीआईपी गेट केपास पीएम का आपत्तिजनक पोस्टर लगाया गया था।

मतदाता सूची में आधार नम्बर एकत्र करने हेतु चलेगा अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार आयोग द्वारा मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं से स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर एकत्र किये जाने हेतु अभियान चलाया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि आधार नम्बर एकत्र किये जाने की कार्यवाही दिनांक 01 अगस्त 2022 से प्रारम्भ होगी। उसके पूर्व समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र से सम्बन्धित समस्त बी0एल0ओ0 एवं सुपरवाइजरों को दिनांक 21 जुलाई तक आधार नम्बर एकत्र किये जाने के सम्बन्ध में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा एवं प्रशिक्षण अवधि के सम्बन्ध में तिथिवार कार्यक्रम जिला निर्वाचन कार्यालय में अविलम्ब भेजना सुनिश्चित करेगें। समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी दिनांक 21 जुलाई तक समस्त बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को प्रशिक्षित करने का प्रमाण पत्र दिनांक 22 जुलाई तक प्रत्येक दशा में उपलब्ध करायेगें जिससे दिनांक 23 जुलाई को वांछित प्रमाण पत्र आयोग को भेजा जा सके। उन्होने बताया है कि यदि मतदाता के पास आधार नम्बर नही है और वह अपना आधार नम्बर प्रस्तुत करने में सक्षम नही है तो उसे फार्म-6बी में उल्लिखित 11 प्रकार के दस्तावेजों में से किसी एक की प्रति संलग्न करने के लिये कहा जायेगा। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मतदाता सूची में सम्मिलित किसी भी प्रविष्टि को इस आधार पर अपमार्जित नही करेगा कि किसी मतदाता द्वारा आधार नम्बर प्रस्तुत/सूचित नही किया गया है। उन्होने बताया है कि किसी भी परिस्थिति में आधार नम्बर को सार्वजनिक नही किया जाना है। यदि मतदाता की जानकारी को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है तो आधार विवरण को हटा दिया जाना चाहिये अथवा उसे छुपा दिया जाना चाहिये। आधार नम्बर एकत्र किये जाने के सम्बन्ध में दिनांक 01 अगस्त 2022 को जनपद स्तर पर जिलाधिकारी द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जायेगा। विधानसभा स्तर पर कार्यक्रम का शुभारम्भ सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण द्वारा दिनांक 01 अगस्त को किया जाना हैं। आमजन मानस को आधार नम्बर जमा करना स्वैच्छिक है। आधार नम्बर एकत्र किये जाने हेतु विशेष कैम्पों के आयोजन के सम्बन्ध में प्रथम कैम्प दिनांक 04 सितम्बर 2022 को निर्धारित किया गया है, शेष कैम्पों के बारे में पृथक से सूचित किया जायेगा। आधार नम्बर एकत्र किये जाने हेतु कार्यक्रम दिनांक 31 मार्च 2023 तक फार्म-6बी में आधार संख्या एकत्र करने के लिये मतदाता सूची में पंजीकृत 100 प्रतिशत मतदाताओं से सम्पर्क करने के लिये संभावित लक्ष्यों को निर्धारित किया गया है।

मुख्य परीक्षा में 1285 अभ्यर्थी सफल, आयोग ने जारी किया परिणाम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा-2021 की मुख्य परीक्षा में 1285 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया है। आयोग ने मंगलवार को पीसीएस मेंस का रिजल्ट जारी कर दिया। हालांकि, मानक से कम अभ्यर्थी ही इंटरव्यू के लिए क्वालीफाई कर सके। रिजल्ट आयोग कार्यालय के सूचना बोर्ड एवं वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग ने पीसीएस के 678 पदों पर भर्ती के लिए मुख्य परीक्षा इस वर्ष 23 से 27 मार्च तक प्रयागराज, लखनऊ और गाजियाबाद के विभिनन्‍ केंद्रों में आयोजित की थी। परीक्षा में कुल 5957 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। 678 में से 55 पदों पर चयन लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर होगा, जबकि बाकी 623 पदों के लिए इंटरव्यू होगा। मुख्य परीक्षा में 1285 अभ्यथिर्यों ने साक्षात्कार के लिए क्वालीफाई किया है। पदों की संख्या के मुकाबले तकरीबन दोगुने अभ्यर्थी ही इंटरव्यू के लिए क्वालीफाई कर सके, जबकि मानक के अनुरूप तीन गुना अभ्यर्थियों को क्वालीफाई करना चाहिए था। आयोग के सचिव जगदीश के अनुसार न्यूनतम अर्हता मानक धारित न करने के कारण नियत अनुपात में अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हुए। परीक्षा में शामिल अभ्यथिर्यों के प्राप्तांक, कट ऑफ अंक आदि सूचनाएं परीक्षा के अंतिम चयन परिणाम के बाद जारी की जाएंगी। उत्तर प्रदेश से बाहर की महिला अभ्यथिर्यों का परिणाम प्रदेश सरकार की ओर से उच्च न्यायालय में दाखिल विशेष अपील पर पारित होने वाले निणर्य के अधीन रहेगा। मुख्य परीक्षा के आधार पर सफल अभ्यथिर्यों के लिए साक्षात्कार की तिथि बाद में घोषित की जाएगी। इसी हफ्ते जारी होगा इंटरव्यू का कार्यक्रम उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग इसी हफ्ते पीसीएस-2021 के इंटरव्यू का कार्यक्रम जारी करने की तैयारी में है। आयोग 14 या 15 जुलाई को साक्षात्कार का कार्यक्रम जारी कर सकता है। सचिव का कहना है कि तीन से चार दिनों में कार्यक्रम जारी कर दिया जाएगा।

आबकारी विभाग ने मारा छापा, भारी मात्रा में शराब एवं लहन बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। शासन के निर्देश, जिलाधिकारी के आदेश,उप आबकारी आयुक्त,प्रयागराज के मार्गदर्शन तथा जिला आबकारी अधिकारी व पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व में जनपद के कई स्थानों पर छापामारी की गई जिसमें भारी मात्रा में शराब एवं लहन बरामद किया गया। सदर के थाना मान्धाता के अंतर्गत 01, अभियोग दर्ज़ किया गया एवं 20 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई एवं100 किलो लहन नष्ट की गई । तथा क्षेत्र 03 कुंडा के थाना महेशगंज के अंतर्गत 01 अभियोग दर्ज़ किया गया तथा 15 लीटर अवैध मदिरा बरामद की गयीएवं 60किलो लहन मौके पर नष्ट की गई तथा क्षेत्र 04,लालगंज के थाना लालगंज के अंतर्गत 02 अभियोग दर्ज़ किये गए एवं 30 लीटर कच्ची शराब जब्त की गई एवं 200 किलो लहन मौके पर नष्ट की गई ।कुल 04 अभियोग दर्ज़ किये गए।लगभग 65 लीटर शराब को ज़ब्त किया गया।लगभग 360 किलो लहन को मौके पर नष्ट किया। यह कार्यवाही आबकारी निरीक्षक सदर,कुंडा एवं लालगंज की अलग अलग टीमों द्वारा की गई।अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही जारी रहेगी।

श्रावण मास में काँवड़ यात्रा के मद्देनजर जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों को किया गया तैनात

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट डा0 नितिन बंसल ने बताया कि श्रावण मास के पावन पर्व पर श्रद्धालुजन/कॉवड़ियें विभिनन्‍ स्थलों से गंगाजल लाकर जनपद अवस्थित प्रसिद्ध मंदिर/शिवालय में जलाभिषेक करते हैं।इसे दृष्टि में रखकर शांति बनाए रखने हेतु जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति की गई है। इसके अतिरिक्त कामदा एकादशी, नागपंचमी तथा पूर्णिका के दिन भी सनन एवं जलाभिषेक होता है। इन पर्वो पर श्रद्धालु गंगा व अन्य पवित्र नदियों का जल कॉवड़ में लेकर पैदल अपने-अपने क्षेत्र के शिव मन्दिर अथवा अन्य प्रसिद्ध मन्दिरों में ले जाकर जलाभिषेक करते है। इस अवसर पर शिवालयों में काफी संख्या में श्रद्धालुजन/कॉवरियें एकत्रित होते है। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को शिवालयों में जलाभिषेक के लिये श्रद्धालुजन जनपद के विभिनन्‍ मार्गो से होकर पहुँचेंगे।जिला मजिस्ट्रेट ने श्रावण मास के पर्व पर शिवालयों में शांति व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों को तैनात कर दिया है। उन्होने सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में बाबा घुइसरनाथ मन्दिर में तहसीलदार लालगंज व शिव मन्दिर लालगंज में नायब तहसीलदार लालगंज नवल किशोर शुक्ल को तथा जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में उपजिलाधिकारी लालगंज को तैनात किया गया है। बाबा बेलखरनाथ धाम मन्दिर में सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में तहसीलदार पट्टी व जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में उपजिलाधिकारी पट्टी की ड्यूटी लगायी गयी है। इसी प्रकार सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में हौदेश्वरनाथ मंदिर व जहानाबाद घाट पर नायब तहसीलदार कुण्डा रवि प्रकाश सिंह व शिव मन्दिर शिवपुरम कस्बा कुण्डा व करेंटी घाट कुण्डा में नायब तहसीलदार कुण्डा आदित्य कुमार को एवं जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में उपजिलाधिकारी कुण्डा को तैनात किया गया गया है। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में कालाकांकर घाट पर ए0सी0ओ0 कुण्डा व ज्वाला देवी मन्दिर व मानिकपुर/गोतनी गंगा घाट पर बी0डी0ओ0 कालाकांकर को एवं जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में तहसीलदार कुण्डा को तैनात किया गया है। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में बेल्हा देवी मन्दिर पर तहसीलदार सदर एवं जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में उपजिलाधिकारी सदर को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में भयहरणनाथ मन्दिर में नायब तहसीलदार सदर आनन्द कुमार को एवं जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में उपजिलाधिकारी रानीगंज को तैनात किया गया है। इसके अलावा जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस विभाग को घाट पर रस्सा आदि के माध्यम से चिन्हांकन करने, नाव व गोताखोरों की व्यवस्था, पुलिस पिकेट, घाट/जलाभिषेक स्थल पर अस्थायी पुलिस चौकी की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया है। पुलिस/आबकारी विभाग को निर्देशित किया गय है सोमवार को व महत्वपूर्ण पर्वो पर शराब व मांस की दुकानों को घाटों/जलाभिषेक स्थल व आस-पास बन्द करायी जाये। चिकित्सा विभाग कॉवड़ मार्ग पर आकस्मि चिकित्सा हेतु आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करेगें। नगर निकाय/डीपीआरओ घाट/जलाभिषेक स्थल के पास श्रद्धालुओं के रूकने हेतु अस्थायी टेण्ट एवं पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाये जाने की व्यवस्था करेगें। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग, जल निगम, वन विभाग, विद्युत विभाग, अगिन शमन विभाग को आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि0/रा0) व अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सार्किल तथा अपर जिला मजिस्ट्रेट (भू0/रा0) एवं अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी सर्किल में सतत सतर्क दृष्टि रखते हुये आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करायेगें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि श्रावण मास के पर्व/कॉवड़ यात्रा को शान्तिपूर्ण एवं सकुशल ढंग से सम्पनन्‍ करायें, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय।

तय समय में बनाकर नहीं दिए फ्लैट, पैसा लौटाए प्राधिकरण

प्रयागराज। तय समय में फ्लैट न आवंटित कर पाने पर हाईकोर्ट ने ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण को आदेश दिया है कि वह याचियों (फ्लैट बुक कराने वाले) को उनके द्वारा जमा की गई रकम को नौ प्रतिशत ब्याज की दर से वापस करे। कोर्ट ने कहा है कि याचियों को उनकी रकम दो माह में दे दी जाए। ब्याज की रकम जमा की गई तिथि से देनी होगी। यही नहीं कोर्ट ने प्राधिकरण को प्रत्येक याची को बीस हजार रुपये हर्जाना भी देने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने शीला रस्तोगी व अन्य, समेद्दीन व 37 अन्य और गौरव गुलाटी व अन्य की याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में याचियों की ओर से दाखिल याचिकाओं को आंशिक रूप से ही स्वीकार किया है मामले में याचियों की ओर से तर्क दिया गया कि ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 2013 में लोगों को आवासीय फ्लैट मुहैया कराने के लिए एक ऑफर

दिया। कहा कि उसकी तीन इलाकों (ओमिक्रोन, ओमिक्रॉन 1 व सेक्टर 12) में विभिनन्‍ योजनाएं प्रस्तावित हैं। इसके तहत बहुमंजिला इमारत में फ्लैटों की बुकिंग की जा सकती है। बुकिंग कराने वालों को 2017 तक कब्जा दे दिया जाएगा। याचियों ने योजना के तहत नकद डाउन पेमेंट के आधार पर एक फ्लैट के लिए आवेदन किया और पूरी राशि का भुगतान किया। याचियों ने फ्लैट का भुगतान करने के लिए बैंकों से आंशिक भुगतान करने के लिए ऋण भी लिया था और उसके बाद उन्होंने निर्धारित किश्तों के तहत भुगतान भी कर दिया। याचियों ने तर्क दिया कि प्राधिकरण तीन वर्षों के भीतर आवास मुहैया कराने में नाकाम रहा। जबकि, उसे फ्लैट सौंपना आवश्यक था। याचियों ने समयावधि बीतने के बाद प्राधिकरण के अधिकारियों से संपर्क भी किया लेकिन उन्हें एक-दो महीने का आश्वासन मिलता रहा। कहा गया कि 2018 में फ्लैट तैयार कर कब्जा दे दिया जाएगा। बाद में प्राधिकरण ने 2019 में फ्लैट देने की बात कही फिर कहा गया कि अपरिहार्य कारणों से फ्लैट आवंटित नहीं हो सकते हैं। याचियों को दूसरी योजना के तहत अन्यत्र स्थान पर विकसित फ्लैटों को दिया जाएगा। इसकी मूल्य लागत अधिक होगी। इस पर याचियों ने आपत्ति जताई और हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। कोर्ट ने याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए याचियों को नौ फीसदी ब्याज की दर से रकम को वापस करने का आदेश दिया।

अंजुमन की ओर से बहस पूरी हिंदू पक्ष ने रखीं दलीलें

वाराणसी। जिला जज की अदालत में आज है अहम सुनवाईसुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला जज की अदालत में जारी सुनवाई में मंगलवार को अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की तरफ अधिवक्ता अभयनाथ यादव ने ऑर्डर 7 रूल 11 के तहत दिए गए आवेदन पर अपनी बहस पूरी की। ज्ञानवापी परिसर में स्थित श्रृंगार गौरी के नियमित दर्शन व अन्य विग्रहों के संरक्षण की याचिका पर जिला जज की अदालत में मंगलवार को मुस्लिम पक्ष की बहस पूरी हो गई। इसके बाद हिंदू पक्ष ने अपनी दलीलें शुरू कीं। करीब सवा दो घंटे की अदालती कार्यवाही के बाद जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश ने सुनवाई के लिए 13 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। इस मामले में दलीलें व बहस पूरी होने के बाद जिला जज की अदालत में यह तय होगा कि यह याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं।सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला जज की अदालत में जारी सुनवाई में मंगलवार को अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की तरफ अधिवक्ता अभयनाथ यादव ने ऑर्डर 7 रूल 11 के तहत दिए गए आवेदन पर अपनी बहस पूरी की। मुस्लिम पक्ष ने याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं के अलावा पूरे वाद पत्र के बिंदुओं पर भी अपनी दलील न्यायालय में रखी। उनकी ओर से कहा गया है कि जिस जमीन पर ज्ञानवापी मस्जिद स्थापित है, उसकी आराजी 9130 का चौहद्दी व रकबा वाद पत्र में निर्धारित नहीं है। इसमें यह भी नहीं बताया गया कि इसका मालिक कौन है। दलील के दौरान मुस्लिम पक्ष ने कहा कि वाद पत्र को मौलिक अधिकार के तहत हाईकोर्ट में दाखिल किया जाना चाहिए। कारण, वाद में कहा गया है कि मंदिर तोड़कर मस्जिद बना है, ऐसे में मुकदमा बेदखली का होना चाहिए। अंत में मुस्लिम पक्ष ने कहा कि श्रृंगार गौरी के फोटो की नहीं बल्कि मूर्ति की पूजा होनी चाहिए। अंजुमन ने कहा कि पूरी प्रॉपर्टी वक्फ बोर्ड की है। ऐसे में इस अदालत को सुनवाई का क्षेत्राधिकार नहीं है, बल्कि लखनऊ स्थित वक्फ बोर्ड को सुनवाई का अधिकार है। इस दौरान हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की नजीरों का हवाला देते हुए अदालत में यह भी कहा कि यह मुकदमा चलने योग्य नहीं है। अंजुमन इंतजामिया की तरफ से अभय नाथ यादव, रईस अहमद, मुमताज अहमद, एखलाक अहमद, मेराजुद्दीन और हिंदू पक्ष की तरफ से विष्णुशंकर जैन, शिवम गौड़, मान बहादुर सिंह, सुधीर त्रिपाठी, सुभाष नंदन चतुर्वेदी, अनुपम द्विवेदी, हिमांशु व अनुष्का तिवारी, शासन की तरफ से डीजीसी सिविल महेंद्र प्रसाद पांडेय, मधुकर पांडेय, राणा संजीव सिंह, आशीष चौबे शामिल रहे। अंजुमन इंतजामिया की बहस समाप्त होने के बाद हिंदू पक्ष के सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने जवाबी बहस शुरू की। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष ने चार दिन तक बहस में प्रार्थनापत्र में कही गई बातों से इतर बहस की। उन्होंने कहा कि दीन मोहम्मद के केस में भी खसरा नंबर 9130 को स्वीकार किया गया है। काशी विश्वनाथ मंदिर एक्ट में यह आराजी देवता को निहित की गई है। सीपीसी ऑर्डर 7 रूल 3 में संपत्ति का मालिकाना हक खसरा या चौहद्दी से निर्णित होता है और इस मामले में खसरा का जिक्र वाद में किया गया है। विशेष धर्म उपासना स्थल विधेयक 1991 इस वाद में लागू नहीं होता। आधे घंटे की बहस के बाद न्यायालय में समय पूरा होने के बाद अगली तिथि निर्धारित की गई। उधर, एक वादी की तरफ से उठाए गए आपत्ति पर विष्णु शंकर जैन ने कोर्ट में प्रदेश शासन का नो ऑब्जेक्शन पत्र सौंपा।

भरी पंचायत में दो बच्चों के बाप के सिर से उतारा इश्क का खुमार

भदोही । धोखा मिलने पर बौखलाई साली ने सिखाया सबकवाराणसी के मिर्जामुराद में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां साली ने भरी पंचायत में जीजा की वाली साली से इश्क हो गया। पखवारे भर पूर्व दोनों घर से मुंबई भाग गए। दोनों लौटे तो गांव में पंचायत बैठी। पत्नी और दो बच्चों के सामने युवक ने अपनी गलती मानी और

चप्पल से धुनाई कर दी। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। पखवारे भर पूर्व दोनों घर से मुंबई भाग गए। दोनों लौटे तो गांव में पंचायत बैठी। वाराणसी के मिर्जामुराद में लालपुर चट्टी में सोमवार को भरी पंचायत में साली ने प्रेमी जीजा को चप्पल से पीटा। इस दौरान मौजूद महिलाओं ने किसी तरह युवती को पकड़ा। लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया। भदोही स्थित चौरी थाना अंतर्गत एक गांव निवासी दो बच्चों के पिता का अपनी दूर की रिश्ते में लगने प्रेमिका से माफी मांगी। इश्क में धोखा खाने से नाराज प्रेमिका ने भरी पंचायत में जीजा की चप्पल से पिटाई कर दी। प्रेमिका का आरोप रहा कि जीजा शादी करने का झांसा देता रहा। कपसेठी थाना अंतर्गत एक गांव निवासी प्रेमिका का आरोप है कि जीजा ने मुंबई रहने के दौरान पैसे भी लिए हैं। अंत में पंचायत में यह फैसला हुआ कि युवती से लिए पैसे उसकी शादी में खर्च किया जाएं। इस घटना की क्षेत्र में खूब चर्चा रही। वहीं, पुलिस के अनुसार किसी तरह की कोई तहरीर या कोई शिकायत नहीं आई है।

सीएम योगी ने सुनी फरियाद, बोले थाने पर ही निपटाया जाए मामला

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक बार फिर दोहराया कि थाना और तहसील स्तर के मामलों का निस्तारण वहीं किया जाए। इसमें लापरवाही करने वाले अफसरों को चिह्नित करके उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने पुलिस व प्रशासन के आला अफसरों से कहा कि छोटे-

छोटे मामलों का निस्तारण यदि जिला, तहसील और थाना स्तर पर होता तो लोग इतनी दूर से यहां जनता दरबार में नहीं आते। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि जिला कार्यालयों, तहसीलों और थानों में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेकर उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से त्वरित निस्तारण करें।मुख्यमंत्री ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के हिन्दू सेवाश्रम में जनता दरबार लगाया और फरियादियों की समस्याएं सुनीं। गुरु गोरखनाथ के दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री सुबह करीब आठ बजे जनता दरबार में आए। उन्होंने 100 से अधिक फरियादियों से उनकी समस्याएं सुनीं और शिकायती पत्र लेकर संबंधित अफसरों को तत्काल निस्तारण कराने का निर्देश दिया। महिला फरियादियों के साथ आए छोटे बच्चों को उन्होंने चाकलेट देकर दुलारा। बता दें कि सीएम योगी मंगलवार को मुख्यमंत्री ने 298 करोड़ 81 लाख 72 हजार रुपये से अधिक की लागत वाली 181 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व 164 करोड़ 77 लाख 95 हजार रुपये से होने वाले 27 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। लोकार्पित परियोजनाओं में बांसगांव-उरुवा मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, मानीराम-बालापार-टिकरिया-गांगी बाजार मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण,गुलरिहा-रामनगर मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, पीपीगंज-अकटहवा-कल्याणपुर-नवापार मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, रोहिन नदी के बाएं तट पर बनरहा तटबंध का सुदृढ़ीकरण व उच्चीकरण, वसुंधरा मोड़ से तुर्रा नाले तक आरसीसी नाले का निर्माण कार्य शामिल है। जिन परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ, उनमें बाढ़ बचाव व सड़क निर्माण की परियोजनाएं भी शामिल हैं। वहीं बृहस्पतिवार की सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनेंगे। फिर सुबह 10 बजे मानसरोवर मंदिर में जाकर विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वहां से निकलने के बाद सुबह 11 बजे तारामंडल स्थित योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कोटेदारों से संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री यहां कोटेदारों का कमीशन बढ़ाने की घोषणा भी कर सकते हैं। इसके बाद वह लखनऊ प्रस्थान कर जाएंगे। सावन के पहले दिन यानी 14 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी, पौराणिक व ऐतिहासिक महत्व वाले मानसरोवर शिव मंदिर और वहीं पर स्थित रामलीला मैदान अंधियारी बाग के जीणोद्धार व सुंदरीकरण कार्यों का भी लोकार्पण करेंगे। मानसरोवर शिव मंदिर को सजाने-संवारने में 6 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इसी तरह मानसरोवर शिव मंदिर के पास स्थित रामलीला मैदान (अंधियारी बाग) का जीणोद्धार तथा सुंदरीकरण 1. 64 करोड़ रुपए की लागत से कराया गया है। रामलीला मैदान में स्थित डॉ बीआर आंबेडकर की प्रतिमा स्थल का सुंदरीकरण भी कराया गया है।

दिव्यांग भांजे की गला दबाकर की हत्या, बोरे में शव भरकर अंतिम संस्कार कराने पहुंचा घाट

वाराणसी। फिर चिता छोड़ भागादिव्यांग भांजे की हत्या के बाद रात में बोरे में शव लेकर दो अन्य साथियों के साथ अंतिम संस्कार कराने आरोपी मामा अजगईबा घाट [illegible] हत्या की आशंका पर डोम ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने टीमें गठित की हैं। वाराणसी जिले के चौक क्षेत्र के मीरघाट में रहने वाले रोहित चौधरी पुत्र महेंद्र चौधरी ने बताया कि वह आमी नदी के अजगईबा घाट पर डोम का काम देखते है। सोमवार की रात तीन व्यक्ति बोरे में रखी लाश लेकर घाट पर अंतिम संस्कार के लिए आए। तीन व्यक्ति शव के अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने लगे। शव की हालत देखकर उसे

संतकबीरनगर में मामा ने साथियों के साथ मिलकर सोमवार देर शाम दिव्यांग भांजे की हत्या कर दी। बोरे में शव भरकर साथियों के साथ रात में ही आमी नदी के अजगईबा घाट पर पहुंच कर अंतिम संस्कार की कोशिश की। डोम ने शव की स्थिति देखकर हत्या की आशंका जताते हुए डायल 112 नंबर पुलिस को मामले की सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चिता से युवक की अधजली लाश बरामद की, जबकि आरोपी मौके से भाग निकले आशंका हुई कि वे लोग हत्या करके शव का अंतिम संस्कार करने लाए है। पूछताछ करने पर तीनों व्यक्ति चिता पर रखे शव को छोड़ कर भाग गए। बाद में जानकारी करने पर पता चला कि कोतवाली क्षेत्र के जंगलऊन के बेलदारी टोला निवासी संजय दो अन्य साथियों के साथ अपने भांजे सिंकदर पुत्र राम नगीना निवासी नरायनपुर थाना सिकरीगंज जिला गोरखपुर का शव लाए थे। डोम रोहित ने अपने दोस्त की मोबाइल से 112 नंबर पर पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर एएसपी संतोष कुमार सिंह, सीओ अंशुमान मिश्र, कोतवाल विजय नारायन प्रसाद और जेल चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने अधजली लाश कब्जे में ली। पोस्टमार्टम हाउस पर आए पीडि़त पिता राम नगीना ने भी अपने साले संजय पर बेटे की हत्या करने का आरोप लगाया है। वैसे हत्या की वजह पीडि़त पिता नहीं बता पाया। युवक की हत्या की वजह को लेकर लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे है। कोतवाल विजय नारायन प्रसाद ने बताया कि डोम रोहित चौधरी की तहरीर पर मृतक के मामा संजय और दो अज्ञात के खिलाफ हत्या कर शव छिपाने की कोशिश के आरोप में केस दर्ज किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट होगी। वैसे पीडि़त पिता रामनगीना ने भी अपने साले संजय के खिलाफ बेटे की हत्या करने का आरोप लगाया है। दर्ज मुकदमें भी पीडि़त पिता की तहरीर को भी जोड़ा जाएगा। आरोपी मामा की तलाश की जा रही है। आरोपी मामा के पकड़े जाने के बाद ही घटना की वजह का पता चलेगा। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित-एसपी एसपी सोनम कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिकंदर की हत्या गला दबाकर किए जाने की बात सामने आई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई है। जल्द ही आरोपी पुलिस की पकड़ में होंगे।

बलिया मे अज्ञान की अंधेरे गांव मे ज्ञान की रेखा बना रही है ज्ञानकुंज की छात्रा स्वीटी

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। जिले के शेखपुर निवासी सरकार बहादुर की बेटी और भाई साइकिल का पंचर बनाने वाले मिस्त्री के छोटी बहन की इस नेक पहल को सलाम!आईएएस कर डीएम बन नारी समाज के उत्थान और लड़कियो को उनके भविष्य बनाने की सपना संजोये जनपद के शिक्षा की क्षेत्र मे अग्रणी विद्यालय ज्ञानकुंज एकेडमी बंशीबाजार की पांचवी की एक होनहार 9-10 वर्षीय छात्रा कुमारी स्वीटी अपने गांव के अति गरीब 20 बच्चो को नियमित ट्यूशन पढ़ाने का नेक काम कर रही है।उसके इस जज्बे की नगर व क्षेत्र मे खूब तारिक हो रही है। उसका मनोबल बढ़ाने के लिए उसके इस जज्बे की सम्मान उसके स्कूल मे भी बखूबी मिल रही है। जिससे उस होनहार छात्रा की मनोबल आसमान तक हवा के छोके का रफ्तार की तरह उचाइयों तक पहुंच सके।आज मंगलवार को विद्यालय के प्रेसिडेंट श्री ज्योति स्वरूप पाण्डेय ने ज्ञानशिखा टाइम्स से खास मुलाकात कराया। उत्तर-प्रदेश के बलिया में बंशीबाजार स्थित ज्ञानकुंज एकेडमी के 9-10 वर्षीय 5वीं की छात्रा स्वीटी खुद गरीब रहकर भी गांव के अतिगरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने के साथ ही उन्हें कॉपी-किताब भी मुहैया करा रही हैं.वहीं स्वीटी अपने इस मुहिम से बच्चों के भविष्य को संवारने का काम कर रही हैं। समाज के प्रति जागरूक करीब 9-10 वर्षीय पाँचवी की छात्रा स्वीटी समाज के गरीब और अभावग्रस्त नौनिहालों का भविष्य संवारने

का काम कर रही हैं। गरीब छात्रों को शिक्षा देने के साथ-साथ अपने जेब खर्च से बचत कर इन बच्चों के लिए कॉपी-किताब भी मुहैया कराती हैं। होनहार छात्रा कुमारी स्वीटी नारी समाज के उत्थान और लड़कियो को उनके भविष्य बनाए रखना चाहती है। गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने के लिए उसने अपने भाई की पंचर बनाने वाली कमरे को खूब साफ-सफाई कर बच्चो को बैठने की पहले जगह बनाई और अपनी पढ़ाई करने की दरम्यान उसने सुबह 5 बजे और दिन मे पांच बजे दो पाली मे 20 बच्चो को ट्यूशन पढ़ाई कराने का वाणी उठाया है। इस होनहार और समाज सेवा की जज्बा बनाए रखने मे शुमार स्वीटी ने बताया कि पहले शुरुआती दौर मे मेरी मम्मी को बुरा तो लगा की दूसरे को पढ़ाई कराने की चक्कर मे कही मेरी बेटी कमजोर ना हो जाए किन्तु बाद मे वह भी मेरा भरपूर सहयोग करने लगी। ज्ञानकुंज की होनहार छात्रा स्वीटी का कहना है कि शेखपुर गांव मे ट्यूशन पढ़ने के लिए कोई नजर काफी दिनो से नही आ रहा था।इस बात का बहुत मलाल था कि इन बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है। जिसके बाद स्वीटी ने इन बच्चों के भविष्य को संवारने का बीड़ा उठाया और इनके माता-पिता से मिलकर बच्चों को शिक्षा देने के लिए प्रेरित किया। जब कुछ अभिभावक गरीबी की दुहाई देने लगे तो छात्रा ने बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने के साथ-साथ कॉपी किताब देने की भी जिम्मेदारी खुद अपने पर ही ले ली। आम लोग मे यह कहा जाता है कि किसी समाज या घर में कोई व्यक्ति साक्षर या शिक्षित बन जाता है तो धीरे-धीरे उसकी बेहतरी की कवायद शुरू हो जाती है। एक के बाद एक व्यक्ति भी साक्षर बन जाता है। समाज की बेहतरी के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण अवश्य है। इसके बिना अच्छे समाज या घर की कल्पना भी अधूरी है। यह तभी संभव होगा, जब सभी एकजुट होकर अशिक्षा का अंधियारा मिटाने की कोशिश करेंगे। ऐसा ही भगीरथ प्रयास ज्ञानकुंज की एक होनहार छात्रा कुमारी स्वीटी कर रही हैं।वह गरीब व असहाय बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दे रही हैं।वह बताती हैं कि जब वे खुद क्लास टू मे विद्यार्थी थी, तबसे ही छोटे बच्चों के साथ उनका लगाव रहा। हर मुश्किल [illegible] को पढ़ाना नहीं भूलती हैं।कुमारी स्वीटी भले आर्थिक रूप से कमजोर हैं, लेकिन वह बड़े हौसलों के धनी हैं। वह कहती हैं, छोटे बच्चों को पढ़ाना उन्हें अच्छा लगता है।उनका सपना समाज को सुशिक्षित बनाने है, जिसे पूरा करने के लिए समय और मौसम नहीं देखते हैं। ज्ञानकुंज एकेडमी के प्रेसिडेंट श्री ज्योति स्वरूप पाण्डेय, प्रबंधक डा0 देवेंद्र नाथ सिंह,प्रिंसिपल श्रीमती सुधा पाण्डेय ने होनहार छात्रा कुमारी स्वीटी की इस सामाजिक नेक पहल की जिज्ञासा और उसके जज्बे को परस्पर बनाए रखने के लिए हर संभव सहयोग देने की बात कही। इस दौरान जिले के शिक्षा की गुणवत्ता मे अग्रणी विद्यालय ज्ञानकुंज एकेडमी की प्रिंसिपल श्रीमती सुधा पाण्डेय ने कहा कि समाज से अज्ञानता का अंधेरा मिटाने के लिए बच्चों को शिक्षित करना बहुत जरूरी है। शिक्षा प्राप्त करने से ही अच्छे ज्ञान व संस्कार मिल सकते हैं।बच्चे ही देश के भविष्य हैं,इस लिए उन्हें शिक्षित करना हर मायने में जरूरी है। अगर वह शिक्षित होंगे तो अपने परिवार व समाज में भी ज्ञान का उजियारा फैलाएंगे और सभ्य समाज का निर्माण कर सकेंगे।

आधुनिक समाचार

बच्चों का आधार कार्ड सत्यापित करने में लापरवाही, 52 विद्यालयों को नोटिस

आजमगढ़। सभी परिषदीय स्कूलों के बच्चों का प्रेरणा पोर्टल पर डीबीटी एप के माध्यम से आधार कार्ड का सत्यापन किया जाना है। इसे लेकर बीएसए ने समीक्षा बैठक की। जिसमें प्रगति बहुत खराब होने के कारण विकास खंड पल्हनी, बिलरियागंज एवं ठेकमा के कुल 52 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं ऐसे एक अध्यापक जो आधार नामांकन का कार्य कर रहे हो, शामिल हुए। बीएसए ने आधार वेरीफिकेशन कार्य में शिथिलता एवं लापरवाही किए जाने के कारण संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों को उक्त विद्यालयों के अध्यापकों को कठोर चेतावनी देते हुए अपने स्तर से नोटिस जारी करने के लिए निर्देश दिए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि विद्यालयों में नामांकित बच्चों का शत-प्रतिशत आधार

वेरीफिकेशन की प्रगति बहुत ही खराब है। जिसमें विकास खंड पल्हनी, बिलरियागंज एवं ठेकमा के कुल 52 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं ऐसे एक अध्यापक जो आधार नामांकन का कार्य कर रहे हैं, वह शामिल हुए। बैठक हाल में तीन शिफ्टों में की गई। उक्त बैठक में जिन विद्यालयों में आधार नामांकन का कार्य शून्य से दस तक था। बैठक हाल में ही तकनीकी टीम द्वारा वेरीफिकेशन का कार्य कराया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय इटौरा के प्रधानाध्यापक अलका श्रीवास्तव, प्रा.वि. कोल की प्र.अ. किरन, प्रा.वि. हथिया बिंदुमती देवी, प्रा. वि. सुलेमपुर प्र.अ. शंभूनाथ राय, प्रा.वि. हाफिजपुर सुधा राय, प्रा.वि. गेलवारा बृजेश कुमार यादव, विकास खंड बिलरियागंज के प्रा.वि. उगरपट्टी प्र.अ. संजू कुमार शुक्ला, विकास खंड ठेकमा के प्रा. वि. महुआरी के प्र.अ. जाहिद शगीम, प्रा.वि. सिरवां के प्र.अ. कमलेश कुमार द्वारा आधार वेरीफिकेशन कार्य में शिथिलता एवं लापरवाही किए जाने के कारण उन्होंने कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी कर करने के निर्देश दिए।

डीआईओएस से मिल राजकीय विद्यालयों के शिक्षक

आजमगढ़। राजकीय विद्यालयों के शिक्षक मंगलवार को विभिन्न मांगों को जिला विद्यालय निरीक्षक से मिले। इस दौरान शिक्षकों ने अपनी मांगों से डीआईओएस को अवगत कराते हुए उचित कार्रवाई की मांग की। डीआईओएस ने शिक्षकों को उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। शिक्षक राजेश राय ने बताया कि नवीन विद्यालयों का अनियमित वेतन भुगतान, गैर शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों को बड़े पैमाने पर लगाया जाना ,जैसे शौचालय जांच, विद्यालय जांच आदि, राजकीय शिक्षकों का मनमानी ढंग से काटे गए वेतन का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाना, चयन एवं प्रोनन्त वेतनमान की लंबित फाइलों का निस्तारण, जिन वरिष्ठ शिक्षकों ने 500 या 1000 रुपए नहीं दिया उनकी फाइलें लंबे समय से कार्यालय में लंबित पड़ी हुई हैं उनका निस्तारण किया जाना, सुविधा शुल्क ना देने की स्थिति में शिक्षकों को शिक्षण कार्य छोड़ कर कार्यालय का चक्कर लगाने के लिए बाध्य किया जाना जैसे एनपीएस, शिक्षकों का मंहगाई, एरियर भुगतान न करना आदि मांगें शामिल रही। डीआईओएस उमेश त्रिपाठी ने शिक्षकों की मांगों के सुना और उनके उचित निस्तारण का आश्वासन दिया।

अमर जवान शहीद स्मारक में कारगिल शहीद के आंगन की मिट्टी होगी स्थापित

गाजिपुर। सगड़ी क्षेत्र के नत्थूपुर गांव निवासी कारगिल शहीद रामसमुझ यादव के आंगन और खलिहान की मिट्टी लखनऊ स्थित अमर जवान शहीद स्मारक में स्थापित की जाएगी। अमर शहीद के आंगन और खलिहान की मिट्टी लेने के लिए मंगलवार को नत्थूपुर गांव पहुंचे अखिल भारतीय पूर्व सेवा सैनिक परिषद के जिला अध्यक्ष ऋषिकेश शुक्ला, पूर्व सूबेदार मंगल प्रसाद गुप्ता, जूनियर वारंट आफिसर सुरेंद्र राय, प्रभुनाथ सिंह, मंगल प्रसाद सिंह ने बताया कि कारगिल शहीद रामसमुझ यादव के घर के आंगन और खलियान की मिट्टी लेने के लिए हम लोग आए हैं। जिस आंगन और खलिहान में कारगिल शहीद की किलकारियां गूंजी, पालन-पोषण हुआ, खेल कूद कर पढ़े-लिखे और बड़े हुए। वहां की पवित्र मिट्टी लेकर लखनऊ जाएंगे। कारगिल शहीद के पिता राजनाथ यादव, माता प्रतापी देवी ने मिट्टी को पवित्र पात्र के अंदर पैक कर हम सैनिकों को सम्मान सहित सौंपा। उनके माता- पिता का माल्यार्पण कर सैल्यूट किया गया। इसके बाद शहीद पार्क में पहुंकर कारगिल शहीद रामसमुझ यादव की प्रतिमा पर श्रद्घांजलि देते हुए उन्हें नमन किया। मिट्टी को कर्नल रामाश्रय मिश्रा महासचिव गोरक्ष पूर्व सैनिक अखिल भारतीय सेवा परिषद को सुपुर्द किया गया। जो पूर्वांचल के 11 जिलों के कारगिल शहीदों के घरों और खलिहान की मिट्टी इकट्ठा करेंगे।

युवती को बुलाया और धोखे से मांग में सिंदूर भरकर पहना दिया मंगलसूत्र

सोनभद्र। सेल्फी लेकर कर दिया ये कांडयुवती ने तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी तय हो गई है। इस बीच जान पहचान वाले एक युवक ने सोमवार को उसे मिलने के लिए बुलाया। धोखे से उसकी मांग में सिंदूर भरकर गले में मंगलसूत्र डाल दिया। युवक न उसके साथ सेल्फी भी ली और उसे वायरल कर दिया। इससे उसकी शादी टूट गई। यूपी के सोनभद्र में अनोखा मामला सामने आया है। यहां धोखे से युवती को बुलाकर एक युवक ने उसकी मांग में सिंदूर भर दिया और मंगलसूत्र पहना दिया। फिर सेल्फी लेकर उसे वायरल कर दिया। इससे युवती की शादी टूट गई। युवती की शिकायत पर मंगलवार को अनपरा पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिय पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र निवासी एक युवती ने तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी तय हो गई है। इस बीच जान पहचान वाले एक युवक ने सोमवार को उसे मिलने के लिए बुलाया। धोखे से उसकी मांग में सिंदूर भरकर गले में मंगलसूत्र डाल दिया। युवक ने उसके साथ सेल्फी भी ली और उसे वायरल कर दिया। इससे उसकी शादी टूट गई। युवती के मुताबिक युवक दूसरे धर्म का है। उसकी प्रतिष्ठा धूमिल करने के लिए उसने ऐसा किया है। थानाध्यक्ष श्रीकांत राय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

प्रतिगामी आदेश नही हुए वापस तो होगा आन्दोलन

सोनभद्र। यूपीपीसीएल प्रबन्धन द्वारा एसीपी निर्धारण और सहायक अभियन्ताओं की वरिष्ठता निर्धारण को लेकर किये गये आदेशों का विराध लगातार जारी है। राविप जूनियर संगठन ने मंगलवार को शक्ति भवन मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन कर एक मांगपत्र प्रबन्धन को सौंप प्रबन्धन की कार्रवाई पर भारी आक्रोश जताया। जेई संगठन के केन्द्रीय अध्यक्ष जीवी पटेल महासचिव जयप्रकाश ने बताया कि मांग पत्र में विद्युत कार्मिक की सेवा शर्तों एवं सेवा नियमावली से इतर वेतन कटौती हेतु सात जुलाई को किए गए एसीपी निर्धारण के आदेश तत्काल निरस्त करने, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत अभियंता सेवा नियमावली 1970 तथा कार्मिक जेष्ठता निर्धारण नियमावली 1998 में विद्युत व्यवस्था के विपरीत आठ जुलाई को जारी सहायक अभियंता पारस्परिक वरिष्ठता सूची को तत्काल निरस्त करने ,अवर अभियंता संवर्ग के वेतन दीर्घा में विद्यमान नॉनफंक्शनल ग्रेड वेतन रू 4800 के विलोपन का आदेश जारी करने तथा विद्युत उपकेंद्र का आउटसोर्सिंग किए जाने का निदेशक मंडल से लिया गया निणन्य तत्काल समाप्त करने की मांग की गयी। आगह किया गया कि न्यायोचित मांगों एवं समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन बाध्य होकर किसी भी आंदोलन पर जाने को विवश होगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी कारपोरेशन निगम प्रशासन की होगी।

प्रबंधन को दी आंदोलन की दी चेतावनी

शक्तिनगर। एनटीपीसी सिंगरौली प्रबंधन द्वारा कोटा बस्ती के चार दशक एनटीपीसी सिंगरौली प्रबंधन द्वारा कोटा बस्ती के चार दशक से रह रहे सैकड़ों ग्रामीणों को अतिक्रमण के नाम पर बेघर करने की कवायद का विरोध शुरू हो गया है। सोमवार शाम पंचायत भवन में ग्रामीणों ने बैठक बुलाईर जिसमें भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। बैठक मे मौजूद ग्राम प्रधान प्रमोद तिवारी, आशीष चौबे, मिथिलेश पांडेय, एसके दास, विजयानंद आदि का आरोप था कि पिछले सप्ताह कोटा ग्राम पंचायत में एनटीपीसी के भू संपदा अधिकारी, तहसीलदार, थाना प्रभारी नागेश कुमार सिंह के साथ पंचायत में लोगों के बने हुए घरों का सर्वे किया। जानकारी लेने पर पता चला कि एनटीपीसी कोटा बस्ती को खाली कराने की तैयारी कर रही है। आरोप लगाया कि दशकों से झुग्गी झोपड़ी घर मकान बनाकर लोग जीविकोपार्जन कर रहे हैं। आगाह किया कि पंचायत कोटा में अगर किसी का भी घर तोड़ा गया तो प्रबंधन के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा। बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत सदस्य के साथ सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

दीक्षांत परेड समारोह में जवानों के परेड ने मोहा मन

म्योरपुर। दीक्षांत परेड समारोह में जवानों ने मोहक परेड प्रस्तुत कर मोहा मनदीक्षांत परेड समारोह में जवानों ने मोहक परेड प्रस्तुत कर मोहा मनदीक्षांत परेड समारोह. हनुमान पड़रा रोड स्थित 39 वीं वाहिनी पीएसी में आरटीसी प्रशक्षिण केंद्र पर आधारभूत शपथ दिलाई गई। इसके बाद आंतरिक एवं वाह्य विषयों में प्रथम एवं सर्वोत्तम स्थान प्राप्त करने वाले रिक्रूट आरक्षीयों को पुरस्कार वितरण हुआ। निष्ठा, ईमानदारी एवं पूर्ण मनोयोग से कार्य का निर्वहन करने के लिए संबोधित किया। इस अवसर पर वाहिनी

प्रशिक्षण प्राप्त कर रह रहे रिक्रूट आरक्षीयों का मंगलवार को दीक्षांत परेड समारोह संपन्न हुआ। जवानों के परेड ने सबका मन मोह लिया। सेनानायक देवेश कुमार पांडेय ने मुख्य अतिथि आयुक्त योगेश्वर राम मिश्र का स्वागत किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने दीक्षांत परेड समारोह का मान प्रणाम लिया। 292 सफल रिक्रूट आरक्षीयों को चिकित्साधिकारी राजीव कुमार, उपसेनानायक देवेंद्र भूषण, सैन्य सहायक दिनेश कुमार सिंह यादव, सहायक सेनानायक परमानंद पांडेय, दलनायक/शिविरपाल अरविंद कुमार, सूबेदार मेजर कांता प्रसाद, आरटीसी प्रभारी अनिल कुमार, प्रभारी परिवहन विजय प्रकाश सिंह, विनय मिश्र व अन्य उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण का छात्रों ने लिया संकल्प

म्योरपुर। स्थानीय ब्राक क्षेत्र के किरबिल गांव में स्थित विद्या शिक्षा निकेतन स्थानीय ब्राक क्षेत्र के किरबिल गांव में स्थित विद्या शिक्षा निकेतन कन्या इंटर कॉलेज में मंगलवार को पर्यावरण की रक्षा के लिए छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पारसनाथ पांडेय ने छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए अपने घर के आस-पास पौधा लगाकर उनका संरक्षण करें। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि पौधे ही पर्यावरण

संतुलित करते हैं। इनकी वजह से ही हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है, जो जीवन के लिए बहुत ही जरूरी है। साथ ही पौधों से हमे बहुत सारे प्रकार के अन्य फायदे मिलते हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने घर के आसपास के लोगों को जागरूक करें कि वे पेड़ों की कटान बिल्कुल न करें यदि इसी तरह से पेड़ों की कटान होती रही तो पृथ्वी से जीवन समाप्त हो जाएगा। इसलिए वर्तमान में ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करके उनका संरक्षण करना जरूरी है तभी पृथ्वी पर जीवन बच सकता है। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक विद्याशंकर तिवारी, गोपाल सिंह, अजयपति तिवारी, अमिताभ मिश्र, लाल बहादुर, रेखा जायसवाल, मंजू, झुलईराम, रामध्यान आदि थे।

जिले में आज नहीं मिला कोरोना, 1664 का टीकाकरण

मिर्जापुर। जिले में छठवें दिन मंगलवार की देर शाम आई रिपोर्ट के अनुसार कोई मरीज नहीं मिला है। जो स्वास्थ्य विभाग के लिए राहत की खबर हैं। पूर्व में मिले सभी जिले में छठवें दिन मंगलवार की देर शाम आई रिपोर्ट के अनुसार कोई मरीज नहीं मिला है। जो स्वास्थ्य विभाग के लिए राहत की खबर हैं। पूर्व में मिले सभी संक्रमितों को टीम ने होम आइसोलेट करा दिया है। वहीं जिले में कुल 1664 लाभाथियों का टीकाकरण किया गया है। सीएमओ डा. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि देर शाम आई रिपोर्ट के अनुसार आज कोई संक्रमित नहीं पाया गया है।

पूर्व सांसद के नाम पर हो वार्ड का नाम

अनपरा। नगर पंचायत के वार्डों के परिसीमन और नवीन नामों के गठन के बाद सोमवार को इनसे संबंधित आपत्ति व सुझाव के लिए लोगों के साथ नगर पंचायत अधिकारियों ने बैठक की। इस दौरान एनएसयूआई नेता अंकुश दुबे ने वार्ड संख्या छह का नाम अटल नगर से बदल कर पूर्व सांसद रामप्यारे पनिका के नाम पर रखे जाने की मांग की है। इससे संबंधित ज्ञापन उन्होंने प्रमुख सचिव नगर विकास अनुभाग सहित आयुक्त विन्ध्याचल मंडल, जिलाधिकारी एवं प्रशासक और ईओ को सौंपा है। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि सोनभद्र के पूर्व सांसद, विधायक, संसदीय सचिव स्व. रामप्यारे पनिका का मकान नगर पंचायत अनपरा में सम्मिलित क्षेत्र औड़ी में है। परिसीमन में उस क्षेत्र को वार्ड संख्या छह में रखा गया है। उन्होंने बताया कि रामप्यारे पनिका का अनपरा समेत सोनभद्र में समस्त सामाजिक, राजनीतिक संगठन के लोग उनका आदर व सम्मान करते हैं। ऐसे में आमजन की प्रबल इच्छा है कि प्रस्तावित वार्ड संख्या छह का नामकरण स्व. रामप्यारे पनिका के नाम पर किया जाए। इससक पूर्व सांसद व दलित आदिवासी समुदाय के नेता का सम्मान हो सके।

गैंगस्टर एक्ट में चार आरोपियों की 1.45 करोड़ की संपत्ति जब्त

सोनभद्र। में पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट में निरुद्ध 4 आरोपियों की एक करोड़ 45 लाख 53 हजार रुपये कीमत की चल-अचल संपत्ति को जब्त किया है। चारों के खिलाफ रायपुर थाने में गैंगेस्टर एक्ट में मुकदमा पंजीकृत है। सोनभद्र जिले में राबर्ट्सगंज पुलिस ने मंगलवार को गैंगेस्टर एक्ट में निरुद्ध चार आरोपियों की एक करोड़ 45 लाख 53 हजार रुपये कीमत की चल-अचल संपत्ति को जब्त किया है। चारों के खिलाफ रायपुर थाने में गैंगेस्टर एक्ट में मुकदमा पंजीकृत है। पुलिस ने यह कार्रवाई जिलाधिकारी के आदेश पर की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की राबर्ट्सगंज पुलिस ने मंगलवार को आरोपित संदीप सिंह पुत्र स्व. नरसिंह निवासी प्रभापुरम कॉलोनी, थाना रॉबर्ट्सगंज के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी चल संपत्ति के रूप में एक ट्रक जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख 70 हजार रुपये को जब्त किया है। इसके अलावा कुनाल सिंह पुत्र प्रमोद सिंह निवासी कुशी, थाना रॉबर्ट्सगंज के एक ट्रक, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 23,80,000 रुपये, एक लाख रुपये अनुमानित कीमत की रॉयल इनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल, साढ़े पांच लाख रुपये अनुमानित कीमत की मारुती स्वीफ्ट कार, 58 हजार रुपये अनुमानित कीमत की टीवीएस मोटरसाइकिल जब्त की है। इसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 30,88,000 रुपये है।

27 लाख के गांजा संग पांच तस्कर धराए

मिर्जापुर। अहरौरा पुलिस ने लखनिया दरी तिराहे से 27 लाख के गांजा संग पांच तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के पास स्कार्पियो व कार अहरौरा पुलिस ने लखनिया दरी तिराहे से 27 लाख के गांजा संग पांच तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के पास स्कापिन्यो व कार में लदा 83.64 किग्रा गांजा बरामद हुआ। उड़ीसा से गांजा लेकर वाराणसी जा रहे थे। मंगलवार को एसपी सिटी संजय वर्मा ने पुलिस लाइन स्थित मनोरंजन कक्ष में प्रेसवार्ता कर मामले का खुलासा किया। एसपी सिटी ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस ने तस्करी के लिए जा रहे गांजा संग पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। अहरौरा पुलिस व एसओजी/सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम लखनिया दरी के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। मुखबीर से सूचना मिली कि कुछ लोग स्कापिन्यो व कार से गांजा लेकर जा रहे हैं। सूचना पर टीम ने दोनों वाहनों को लखनिया दरी तिराहे के पास रोक लिया। पुलिस की तलाश के दौरान स्कार्पियो से 15 पैकेट व कार से 14 पैकेट में रखा कुल 83.64 किग्रा गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों वाहनों से अभियुक्त बिहार के बक्सर के रायपुर थाना क्षेत्र के कजरिया गांव निवासी चन्दन पाण्डेय, बसौली बड़ी वाली निवासी अमित सिन्हा, खरिका खीरी निवासी मंगल सिंह, गोविंदपुर निवासी गुल्लू व रोहतास के सुरियापुर के बधुवार निवासी अजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया। पुलिस की पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह उड़ीसा से गांजा लेकर वाराणसी जा रहे थे। वाराणसी से अन्य व्यक्ति वाहन लेकर मालिक के बताए स्थान पर लेकर जाते हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संजय कुमार सिंह, गिरेंद्र राय, अनूप सिंह, सुशील सिंह, मनोज कुमार, सुधाकर खरवार, प्रियंका, एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक राजेश जी चौबे, लालजी यादव, विवेक कुमार दुबे, संदीप राय, संजय वर्मा रहे।

जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने को सौंपा पत्रक

मिर्जापुर। जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर मंगलवार को सपा कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में पार्टी जिलाध्यक्ष ने कहा कि मानसूनी बारिश में देरी होने से खरीफ की फसल की बुआई नहीं हो पा रही है। जिले के किसानों के सामने संकट पैदा हो गया है। खरीफ की फसलों में उरद, तिल, धान, मूंग, अरहर और ज्वार आदि मुख्य फसलें हैं। बुआई का समय चल रहा है, लेकिन वर्षा केवल बूंदाबांदी तक ही सीमित है। बारिश न होने के कारण धान की रोपाई में भी देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि जनपद को सूखाग्रस्त घोषित किया जाए और किसानों की ऋण अदायगी रोकी जाए। नहरो में टेल तक पानी न आने से किसान परेशान हैं। बीज व खाद की समुचित व्यवस्था सोसाईटी पर उपलब्धता के साथ ही अघोषित विद्युत कटौती बंद किया जाए। इस दौरान रोहित शुक्ला लल्लू, प्रभात पटेल, बलराम यादव, नागेन्द्र तिवारी, आर्यन अंसारी, विजय फौजी, मनोज चौहान, अंकुर यादव, संतोष बिन्द, अशोक कुमार, शिवकुमार यादव, श्यामसुन्दर सोनकर आदि मौजूद रहे।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः15 जुलाई 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का एलान, हरमनप्रीत कप्तान, जेमिमा रोड्रिगेज सहित इन्हें मिला मौका

नई दिल्ली । क्रिकेट पिछली बार कुआलालंपुर खेलों में देखने को मिला था। तब 50 ओवर के मैच खेले गए थे। सिर्फ पुरुष टीमों ने हिस्सा लिया था। उस दौरान 16 टीमों ने

हिस्सा लिया था। दक्षिण अफ्रीका ने स्वर्ण, ऑस्ट्रेलिया ने रजत और न्यूजीलैंड ने कांस्य पदक अपने नाम किया था। बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का सोमवार (11 जुलाई) को एलान हो गया। हरनप्रीत कौर टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगी। ऑलराउंडर जेमिमा रोड्रिगेज की टी20 टीम में वापसी हुई है। क्रिकेट की वापसी 24 साल बाद इस टूर्नामेंट में हुई है। पिछली बार 1998 में क्रिकेट इसका हिस्सा था। इस बार सिर्फ महिला टीमें ही राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेंगी। टेस्ट क्रिकेट के लिए मशहूर एजबेस्टन में क्रिकेट के मैच होंगे। आठ टीमें टूर्नामेंट में दिखाई देंगी।

भारतीय टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, एस मेघना, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर, जेमिमा रोड्रिगेज, राधा यादव, हरलीन देओल, सन्हे राणा स्टैंडबाई खिलाड़ीः सिमरन दिल बहादुर, ऋचा घोष, पूनम यादव। भारत का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से भारत ग्रुप-ए में ऑस्ट्रेलिया, बारबाडोस और पाकिस्तान के साथ है। श्रीलंका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप-बी में रखा गया है। टीम इंडिया अपने अभियान की शुरुआत 29 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। भारत के 215 खिलाड़ी बर्मिंघम जाएंगे भारतीय महिला क्रिकेट टीम 215 सदस्यीय दल का हिस्सा है जिसे देश खेलों के लिए बर्मिंघम भेजेगा। दल में 108 पुरुष और 107 महिलाएं हैं। कुल सदस्य 322 होंगे। इनमें 72 टीम अधिकारी, 26 अतिरिक्त अधिकारी, नौ आकस्मिक कर्मचारी और तीन महाप्रबंधक शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने जीता था स्वर्ण राष्ट्रमंडल खेलों में इस बार 19 खेलों में रोमांच देखने को मिलेगा। क्रिकेट पिछली बार कुआलालंपुर खेलों में देखने को मिला था। तब 50 ओवर के मैच खेले गए थे। सिर्फ पुरुष टीमों ने हिस्सा लिया था। उस दौरान 16 टीमों ने हिस्सा लिया था। एडम गिलक्रिस्ट, रिकी पोंटिंग, स्टीव वॉ, शॉन पोलाक, जैक्स कालिस जैसे दिग्गज खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। दक्षिण अफ्रीका ने स्वर्ण, ऑस्ट्रेलिया ने रजत और न्यूजीलैंड ने कांस्य पदक अपने नाम किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने गंवाया पहला स्थान श्रीलंका जीत के साथ तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली । भारत-पाकिस्तान को हुआ नुकसानहार के ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहला स्थान गंवाना पड़ा है। वह अब 70 फीसदी अंक के साथ दूसरे स्थान पर लुढ़क गया है। दक्षिण अफ्रीका 71.43 फीसदी अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है। श्रीलंका के जीत के बाद 54.17 फीसदी अंक हो गए हैं। छह साल के लंबे इंतजार के बाद श्रीलंका ने टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया। उसने दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में कंगारू टीम को पारी और 39 रन से हराया। मैच के चौथे दिन सोमवार (11 जुलाई) को गॉल स्टेडियम में श्रीलंकाई टीम ने इतिहास रच दिया। उसने पहली बार ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट में पारी के अंतर से हराया है। इस जीत का फायदा भी उसे हुआ। वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया। हार के ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहला स्थान गंवाना पड़ा है। वह अब 70 फीसदी अंक के साथ दूसरे स्थान पर लुढ़क गया है। दक्षिण अफ्रीका 71.43 फीसदी अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है। श्रीलंका के जीत के बाद 54.17 फीसदी अंक हो गए हैं। कंगारू टीम पर शानदार जीत के बाद उसने तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। उसके जीतने के कारण भारत और पाकिस्तान को बड़ा नुकसान हुआ है पाकिस्तान और भारत को एक-एक स्थान का नुकसान

हुआ है। पाकिस्तान 52.38 फीसदी अंक के चौथे और भारत 52.08 फीसदी अंक के साथ पांचवें नंबर पर खिसक गया है। श्रीलंका की इस ऐतिहासिक जीत ने भारत के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं।भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए अपने बाकी बचे छह मैच जीतने होंगे। टीम इंडिया को घरेलू जमीन पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके अलावा दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम बांग्लादेश जाएगी। छह मैचों में जीत के साथ-साथ रैंकिंग में ऊपर की टीमों की हार की कामना करनी होगी। चैंपियन न्यूजीलैंड आठवें स्थान पर भारत के बाद छठे स्थान पर वेस्टइंडीज (50 फीसदी अंक), सातवें स्थान पर इंग्लैंड (33.33 फीसदी अंक), आठवें स्थान पर न्यूजीलैंड (25.93 फीसदी अंक) और नौवें स्थान पर बांग्लादेश (13.33 फीसदी अंक) हैं।

छह रन की साझेदारी करते ही सचिन-गांगुली के क्लब में शामिल हो जाएंगे रोहित धवन

नई दिल्ली । रोहित के साथ धवन का ओपनिंग करना तय माना जा रहा है। यह अनुभवी जोड़ी किसी भी गेंदबाजी लाइन-अप को उधेरने में सक्षम है। इन दोनों के नाम बतौर ओपनर्स कई रिकॉर्ड्स हैं। ऐसे में ये दोनों एक और रिकॉर्ड अपने नाम करना चाहेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच मंगलवार को तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला ओवल मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और शिखर धवन के पास एक खास रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका होगा। भारतीय टीम टी-20 सीरीज के बाद वनडे सीरीज भी अपने नाम करने उतरेगी। रोहित के साथ धवन का ओपनिंग करना तय माना जा रहा है। यह अनुभवी जोड़ी किसी भी गेंदबाजी लाइन-अप को उधेरने में सक्षम है। इन दोनों के नाम बतौर ओपनर्स कई रिकॉर्ड्स हैं। ऐसे में ये दोनों एक और रिकॉर्ड अपने नाम करना चाहेंगे। धवन और रोहित ने ओपनर्स के तौर पर 111 पारियों में साथ बल्लेबाजी की है। इसमें दोनों ने मिलकर 4994 रन की साझेदारी की है। छह रन बनाते

ही यह जोड़ी एक खास क्लब में शामिल हो जाएगी। छह रन बनाते ही यह जोड़ी वनडे में पांच हजार रन की साझेदारी पूरी कर लेगी। ऐसा करने वाली यह दुनिया की चौथी ओपनिंग जोड़ी होगी। इससे पहले भारत के सचिन तेंदुलकर-सौरव गांगुली, ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट-मैथ्यू हेडन और वेस्टइंडीज के गॉर्डन ग्रीनीज-डेसमंड हेन्स ऐसा कर चुके हैं।

इस महान क्रिकेटर ने किया विराट कोहली का बचाव, अपने 'कप्तान' कपिल देव को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली । दुनिया के महान बल्लेबाजों में शुमार भारत के पूर्व क्रिकेट सुनील गावस्कर ने भी कोहली का समर्थन किया है। उन्होंने 1983 वर्ल्ड कप के दौरान टीम इंडिया के कप्तान रह चुके कपिल देव समेत कोहली के तमाम आलोचकों को जवाब दिया है पिछले कुछ दिनों से विराट कोहली को भारतीय टीम हैं। कोहली इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में भी रन नहीं बना सके थे। वहीं, दो टी-20 में वह एक और 11 रन ही बना सके। अब दुनिया के महान बल्लेबाजों में शुमार भारत के पूर्व क्रिकेट सुनील गावस्कर ने भी कोहली का समर्थन किया है। उन्होंने 1983 वर्ल्ड कप के दौरान कप्तान रह चुके कपिल देव समेत तमाम

से बाहर करने की मांग तेज हो गई है। भारत के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर और वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव से लेकर वीरेंद्र सहवाग तक ने कोहली को टीम से बाहर करने की मांग की है। हालांकि, कप्तान रोहित शर्मा ने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए कोहली का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि वह नहीं जानते कौन एक्सपर्ट हैं, लेकिन कोहली ने दशकों तक टीम इंडिया के लिए शानदार प्रदर्शन किया है और वह सिर्फ कुछ एक खराब प्रदर्शन को देखकर किसी दिग्गज खिलाड़ी के लिए धारणा नहीं बना सकते। इसी तरह कई और दिग्गज भी खुलकर कोहली के समर्थन में सामने आए आलोचकों को जवाब दिया है। गावस्कर को लगता है कि टीम मैनेजमेंट को कोहली को कुछ और समय देना चाहिए। गावस्कर को यह कहने में कोई दिक्कत नहीं हुई कि जब रोहित शर्मा या कोई अन्य बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहता है तो कोई भी सवाल नहीं करता है। गावस्कर ने एक स्पोर्ट्स चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा- मुझे यह समझ में नहीं आता कि जब रोहित शर्मा रन नहीं बनाते हैं तो कोई इसके बारे में बात क्यों नहीं करता है। जब कोई अन्य खिलाड़ी रन नहीं बनाता है, तो कोई भी इसके बारे में बात नहीं करता है।गावस्कर ने कहा- कोहली का फॉर्म अस्थायी है, लेकिन क्लास परमानेंट है। उन्होंने कहा- कोहली जिस तरह का खेल दिखा रहे हैं, उसमें वह कुछ समय तक असफल हो सकते हैं। कोहली फिलहाल आक्रामकता से खेल रहे हैं और जल्द से जल्द रन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें कुछ वक्त लगेगा, लेकिन वह संभल जाएंगे। हमारे पास एक चयन समिति है और वह इस बारे में सोचेगी। गावस्कर ने टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर टीम के बारे में पूछे जाने पर कहा- मुझे लगता है कि अभी भी टी-20 विश्व कप 2022 के लिए टीम चयन के लिए काफी समय है। कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 में आक्रामक रुख अपनाया था। तीसरे टी-20 में तो वह अच्छे टच में भी दिखे थे। कोहली ने लगातार दो गेंदों पर चौका और छक्का लगाया था। हालांकि, तीसरी गेंद पर बड़े शॉट के चक्कर में वह अपना विकेट गंवा बैठे थे। दूसरे टी-20 में भी वह ऐसे ही शॉट के चक्कर में आउट हुए थे। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज 2-1 से जीती थी। तीसरे टी-20 में टीम इंडिया 17 रन से हार गई थी। वहीं, पहला मैच टीम इंडिया ने 50 रन और दूसरा टी-20 49 रन से जीता था। कोहली को दीपक हुड्डा को ड्रॉप कर टीम में शामिल किया गया था, जबकि हुड्डा तब शानदार फॉर्म में थे। इसी को लेकर बीसीसीआई और टीम मैनेजमेंट की आलोचना हुई थी। भारत और इंग्लैंड अब 12 जुलाई से तीन मैचों की वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगी। कोहली भी वनडे टीम का हिस्सा हैं।

इंग्लैंड में आठ साल बाद वनडे सीरीज जीतने उतरेगा भारत यहां जानें फोन और टीवी पर कैसे देखें लाइव मैच

नई दिल्ली । इंग्लैंड के नियमित कप्तान के रूप में जोस बटलर की यह पहली सीरीज होगी। दोनों टीमें इस सीरीज के जरिए अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों में भी जुट जाएंगी। भारत अगले साल वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा, जबकि इंग्लैंड वनडे का मौजूदा चैंपियन है। टी-20 सीरीज के खत्म होने के बाद भारत और इंग्लैंड के बीच आज से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। भारतीय टीम ने टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी और अब वनडे सीरीज में भी इस लय को बरकरार रखना चाहेगी।। वहीं, इंग्लैंड की टीम जो रूट, जॉनी बेयरस्टो और बेन स्टोक्स जैसे खिलाडि़यों की वापसी से मजबूत हो गई है। वनडे में इंग्लैंड के नियमित कप्तान के रूप में जोस बटलर की यह पहली सीरीज होगी। दोनों टीमें इस सीरीज के जरिए अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों में भी जुट जाएंगी। भारत अगले साल वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा, जबकि इंग्लैंड वनडे का मौजूदा चैंपियन है। भारत ने

वनडे में इंग्लैंड से अब तक 10 सीरीज जीती हैं, लेकिन इंग्लैंड की धरती पर उसे तीन सीरीज में ही जीत मिली है (इसमें 1986 में 1-1 से बराबर छूटी सीरीज भी शामिल है, जिसमें भारत को विजेता घोषित किया गया था)। अंतिम बार उसे इंग्लैंड में आठ साल पहले 2014 में 3-1 से जीत हासिल हुई थी। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 12 जुलाई यानी मंगलवार को खेला जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मुकाबला लंदन के केनिंग्टन ओवल में खेला जाएगा। कब शुरू होगा भारत और इंग्लैंड का मुकाबला भारत और इंग्लैंड के मैच में टॉस भारतीय समयानुसार शाम पांच बजे होगा और पहली गेंद साढ़े पांच बजे फेंकी जाएगी। कौन से टीवी चैनल पर प्रसारित होगा मैच भारत-इंग्लैंड सीरीज के प्रसारण का अधिकार सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के पास है। इसलिए इस मैच का प्रसारण भी सोनी स्पोर्ट्स के चैनल पर किया जाएगा। आप सोनी स्पोर्ट्स के चैनल पर अलग-अलग भाषाओं में लाइव मैच देख सकते हैं। कहां देख सकते हैं लाइव मैच भारत-इंग्लैंड सीरीज के सभी मैच की लाइव-स्ट्रीमिंग भारत में सोनी लिव एप पर देखी जा सकती है। इसके अलावा मैच से जुड़ी खबरें और रिकॉर्ड्स पर भी पढ़ सकते हैं। मुफ्त में कैसे देख सकते हैं मैच भारत और इंग्लैंड का मैच मोबाइल फोन और टीवी में बिना किसी अतिरिक्त लागत के देखा जा सकता है। अगर आपके पास रिलाइंस जियो की सिम है तो आप अपने मोबाइल फोन में जियो टीवी के जरिए यह मैच मुफ्त में देख सकते हैं। वहीं, डीडी फ्री डिश के डीडी स्पोर्ट्स चैनल पर भी यह मैच मुफ्त में देखा जा सकता है।इंग्लैंडः जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम करन, लियाम लिविंगस्टोन, क्रेग ओवरटन, मैथ्यू पार्किंसन, जो रूट, जेसन रॉय, फिल सॉल्ट, बेन स्टोक्स, रीस टॉप्ली, डेविड विली। भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी , मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में विराट कोहली के खेलने पर सस्पेंस

नई दिल्ली । ये हो सकती है दोनों टीमों की प्लेइंग-11इंग्लैंड भारत से अब तक आठ सीरीज जीत चुका है। ऐसे में रोहित शर्मा की निगाहें सीरीज जीतने पर होंगी। इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाज पहली गेंद से ही बड़ा शॉट लगाने से बचेंगे, लेकिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि टीम को अपने आक्रामक रूख को बनाये रखना चाहिए। भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 सीरीज के बाद आज से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मैच ओवल मैदान पर शाम साढ़े पांच बजे से शुरू होगा। भारत ने टेस्ट मैच गंवाने के बाद टी-20 सीरीज में जबरदस्त वापसी की और 2-1 से सीरीज अपने नाम की। अब टीम इंडिया के सामने इंग्लैंड से तीन मैचों की वनडे सीरीज जीतने की चुनौती होगी। हालांकि, सारा ध्यान टी-20 विश्व कप को लेकर है। बावजूद इसके यह सीरीज रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, शिखर धवन जैसे बल्लेबाजों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने वनडे में इंग्लैंड से अब तक 10 सीरीज जीती हैं, लेकिन इंग्लैंड की धरती पर उसे तीन सीरीज में ही जीत मिली है (इसमें 1986 में 1-1 से बराबर छूटी सीरीज भी शामिल है, जिसमें भारत को विजेता घोषित किया गया था)। अंतिम बार उसे इंग्लैंड में आठ साल पहले 2014 में 3-1 से जीत हासिल हुई थी। इंग्लैंड भारत से अब तक आठ सीरीज जीत चुका है। ऐसे में रोहित शर्मा की निगाहें सीरीज जीतने पर होंगी। इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाज पहली गेंद से ही बड़ा शॉट लगाने से बचेंगे, लेकिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि टीम को अपने आक्रामक रुख को बनाये

रखना चाहिए। इंग्लैंड ने पिछले कुछ वर्षों में अपने आक्रामक खेल से वनडे क्रिकेट खेलने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। टीम को इसका फायदा 2019 विश्व कप जीतकर मिला। इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप को देखते हुए रोहित का कहना है कि सफेद गेंद के प्रारूप में टीम का हर मैच अब अहम होगा उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 के बाद कहा कि हमारे लिए सभी मैच अहम हैं। हम यह सोचकर नहीं खेल सकते कि एकदिवसीय प्राथमिकता नहीं है, लेकिन हमें प्रत्येक खिलाड़ी के कार्यभार को ध्यान में रखना होगा। हम कुछ बदलाव करेंगे, लेकिन हमारा लक्ष्य मैच जीतना है। यह सीरीज सिर्फ वनडे प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे शिखर धवन जैसे खिलाड़ी के लिए काफी अहम होगी, क्योंकि आगामी वेस्टइंडीज दौरे पर उन्हें टीम का नेतृत्व करना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीमित मौके मिलने के बाद भी बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।इस सीरीज से विराट कोहली के लय में लौटने का इंतजार रहेगा। इस दौरे पर भी टेस्ट और टी-20 में उनके बल्ले से रन नहीं निकले हैं। टीम के नए रूख को देखते हुए उन पर पहली ही गेंद से रन बनाने का दबाव होगा, लेकिन एकदिवसीय प्रारूप होने के कारण उनके पास लय हासिल करने का भी थोड़ा अधिक समय होगा। हालांकि, ग्रोइन इंजरी ने उनके खेलने पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखने वाली बात होगी कि वह मैच के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं। रविवार को टी-20 मैच में छह गेंद की पारी में विराट ने शानदार चौका और छक्का लगाया, लेकिन ज्यादा आक्रामक रूख अपनाने का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। विराट का इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 33 मैच में 45.06 की औसत से 1307 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और नौ अर्धशतक शामिल हैं। 122 उनका इंग्लैंड के खिलाफ सर्वाधिक स्कोर रहा है।इयोन मॉर्गन के संन्यास लेने के बाद इंग्लैंड के नियमित कप्तान के तौर पर जोस बटलर की यह पहली वनडे सीरीज होगी। इंग्लैंड टी-20 श्रृंखला की निराशा को यहां दूर करना चाहेगी। खुद कप्तान भी खराब प्रदर्शन को पीछे छोड़कर लय हासिल करना चाहेंगे। टीम को हालांकि बेन स्टोक्स, जो रूट और जॉनी बेयरस्टो जैसे दिग्गजों के आने से काफी मजबूती मिलेगी। रूट और बेयरस्टो का वनडे में भारत के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है। भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी , मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह। इंग्लैंडः जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम करन, लियाम लिविंगस्टोन, क्रेग ओवरटन, मैथ्यू पार्किंसन, जो रूट, जेसन रॉय, फिल सॉल्ट, बेन स्टोक्स, रीस टॉप्ली, डेविड विली।

राशीफल

मेष-:आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपको परेशान करेगा। वित्तीय कल्याण आपके लिए अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदना आसान बना देगा।

वृष-:आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपका मन चाह सकता है कि आप कोई नया काम शुरू करें। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मिथुन-:कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सहभागी व्यवसायों और वित्तीय योजनाओं में हेराफेरी करने में निवेश न करें। आपका ऊर्जावान, जीवंत और गर्मजोशी भरा व्यवहार आज आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क-:आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आज अचानक आपका आपा खो सकता है और जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। करियर के मामले में आप पर जितनी जिम्मेदारियां आप संभाल सकते हैं

सिंह-:बेचैनी की फुसफुसाहट आपको परेशान कर सकती है. इससे बचने के लिए टहलने जाएं और ताजी हवा में गहरी सांस लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार होगी।

कन्या-:आज आप भाग्यशाली रहेंगे। मेडिकल छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको किसी अच्छे डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक किसी महत्वपूर्ण कार्य के कारण आपको स्टेशन से बाहर।

तुला-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

वृश्चिक-:आज के दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी. आज आप सकारात्मक तरंगों से भरे हुए हैं। अपनी योजनाओं को दूसरों के साथ साझा न करें, अन्यथा दूसरे लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

धनु-:अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है. मन जीवन का द्वार है, क्योंकि इससे अच्छा और बुरा सब कुछ आता है। यह जीवन की समस्याओं पर काबू पाने में मददगार साबित है।

मकर-:आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार से जुड़ा कोई जरूरी काम आज पूरा हो सकता है। कोई नया काम शुरू करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आप हर उस व्यक्ति के साथ प्यार से पेश आएंगें।

कुंभ-:अपने शरीर से थकान को दूर करने और अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूर्ण आराम की आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की थकान आपके मन में निराशा को जन्म दे सकती है।

मीन-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

सम्पादकीय

मॉर्डन बेटिंग की होती है ये पांच बेहतरीन विशेषताएं

जानिए इनके बारे मेंकहने को भारत में खिलाड़ियों के लिए सैकड़ों ऑनलाइन बुकमेकर्स है, जहां पर ऑनलाइन बेटिंग की जाती है और उनमें से भी बहुत सारे साइट्स अलग-अलग क्राइटेरिया में काफी अच्छे होते हैं। कहने को भारत में खिलाड़ियों के लिए सैकड़ों ऑनलाइन बुकमेकर्स है, जहां पर ऑनलाइन बेटिंग की जाती है और उनमें से भी बहुत सारे साइट्स अलग-अलग क्राइटेरिया में काफी अच्छे होते हैं, जो लोगों को बेटिंग का अच्छा अनुभव प्रदान करते हैं क्योंकि हर कोई बेहतर साइट्स पर भी खेलना चाहता है, वो सिंपल साइट्स से हटकर बेस्ट वाले पर ही ज्यादा खेलना पसंद करता है. ऐसे में इतने सारे बेटिंग साइट्स में से बेस्ट ऑप्शन का चुनाव करने के लिए बहुत जरूरी है कि आपको इस बात की पूरी जानकारी हो कि मॉर्डर्न बेटिंग के लिए क्या बातें जरूरी है सौभाग्य से अमर उजाला आपकी इस समस्या को दूर करने के लिए आपके साथ मौजूद है. आज हम आपको मॉर्डन बुकिंग की 5 ऐसी बेहतरीन विशेषताओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको बाकि सभी साइट्स में से अंतर को पहचान कर एक बेस्ट साइट को ही चुनने में मदद करेंगी। 1. वेरिफिकेशन की सुविधा किसी भी चीज की शुरुआत करना हर एक यूजर्स के अनुभवों में शामिल एक अहम हिस्सा है और ऐसे में आपके भले के लिए और आसानी से बिना किसी बांधा के काम को जल्दी करने में वेरिफिकेशन करना बहुत ही जरुरी स्टेप होता है। हमारे पास बेटिंग अकाउंट को सत्यापित करने के लिए अनक्लियर प्रोसेस और असुविधा से भरे हुए पुराने तरीकों पर खर्च करने के लिए जरा सा भी समय नहीं है। इसलिए ऐसे में बेटिंग साइट्स आपको क्या अल्टरनेटिव विकल्प देते हैं ये समझना बहुत जरूरी है? विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री पॉल रोमर के अनुसार सत्यापन के लिए आधार दुनिया की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक आईडी सिस्टम होने के साथ-साथ सबसे एडवांस आईडी प्रोग्राम है, इसलिए आधारकार्ड से वेरिफिकेशन सबसे अच्छा उदाहरण माना जाता है. आज भारत में लगभग 99इ् युवाओं के पास आधारकार्ड है, इसलिए ये सभी के लिए वेरिफिकेशन करने की बहुत आसान प्रक्रिया है। लेकिन यदि 1इ् लोग अभी भी इस मोस्ट एडवांस मॉर्डन तरीके का इस्तेमाल नहीं करते हैं, तो इसका ये मतलब नहीं है कि उनको शुरू करने में सभी प्रकार की सुविधाओं के साथ-साथ तेजी से काम होने की सहूलियत नहीं मिलनी चाहिए. इसी दिशा में परीमैच ने तेजी से आधार के साथ-साथ परम्परागत केवाईसी सेटअप के जरिए भी वेरिफिकेशन करने का बेस्ट इग्ज़ैम्पल सेट किया है और इसमें औसतन 5 मिनट से भी काम समय लगता है। इसलिए ये जरुरी नहीं है कि आप कौन सा रास्ता चुनते हैं, बल्कि एक सच्चा मॉर्डन बुकिंग साइट आपको फ्लेक्सिबलिटी के साथ सारी अच्छी सुविधांए प्रदान करें, ये बहुत जरूरी है। 2. हर तरह के खेल के लिए बुकिंग सुविधाएं प्रदान करना किसी भी बुकिंग साइट के लिए ये बहुत अजीब बात है कि वो सिर्फ एक ही खेल के लिए बेटिंग करने का मौका देता है। है सौभाग्य से अमर उजाला आपकी इस समस्या को दूर करने के लिए आपके साथ मौजूद है. आज हम आपको मॉर्डन बुकिंग की 5 ऐसी बेहतरीन विशेषताओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको बाकि सभी साइट्स में से अंतर को पहचान कर एक बेस्ट साइट को ही चुनने में मदद करेंगी। 1. वेरिफिकेशन की सुविधा किसी भी चीज की शुरुआत करना हर एक यूजर्स के अनुभवों में शामिल एक अहम हिस्सा है और ऐसे में आपके भले के लिए और आसानी से बिना किसी बांधा के काम को जल्दी करने में वेरिफिकेशन करना बहुत ही जरुरी स्टेप होता है। हमारे पास बेटिंग अकाउंट को सत्यापित करने के लिए अनक्लियर प्रोसेस और असुविधा से भरे हुए पुराने तरीकों पर खर्च करने के लिए जरा सा भी समय नहीं हैआज के समय में हर बुकिंग साइट्स अपने कस्टमर्स को उनके पसंदीदा खेल पर बेटिंग करने की सुविधा दे रहे हैं, ताकि हर कोई अपना पसंदीदा खेल, खेल सके। लेकिन जब हर कोई सभी तरह के खेल के लिए सुविधाएं प्रदान कर रहा हैं, तो फिर बेहतरीन बुकिंग साइट का मतलब क्या रह जाएगा? इसका जवाब बहुत आसान है और वो है एकदम भविष्य की और. बेहतरीन बुकिंग साइट्स फ्रेश इम्प्रैशन के महत्व और हर तरह के अनुभवों को समझते हैं, इसलिए अगली पीढ़ी के बेटिंग सलूशन का निर्माण कर रहे हैं, जैसे परीमैच बेटिंग एक्सचेंज है, जिससे फैंस आभासी स्पोर्ट्स मार्केट के साथ-साथ डिजिटल अनुभव और गेमिंग या बेटिंग प्लेटफॉर्म से इंटरकनेक्ट कर सके,ताकि खिलाड़ी खेल से लाइव कैसीनो इसलिए ये सभी के लिए वेरिफिकेशन करने की बहुत आसान प्रक्रिया है।

सत्ताधीशों की मनमानी का फल भोग रहा है श्रीलंका
निहत्थी जनता ने निर्वाचित सरकार को उखाड़ फेंका

विदेशी कर्ज की अदायगी से हाथ खड़ा कर देने वाली सरकार ने प्रमाण दे दिया कि देश वस्तुतः दीवालिया हो चुका है। इन स्थितियों में भी भारत ने 3.5 खरब डॉलर की मदद दी। दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास में दर्ज हो गया कि पहली बार निहत्थी जनता ने सड़कों पर आकर, विधिवत एक निर्वाचित सरकार को उखाड़ फेंका, राष्ट्रपति भवन पर कब्जा किया और प्रधानमंत्री आवास को फूंक डाला। श्रीलंका की जनता ने पिछले मई में देश के सर्वशक्तिमान राजपक्षे परिवार के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को जान बचाकर भागने और नौसैनिक अड्डे पर शरण लेने को मजबूर कर दिया था। महिंदा की हैसियत अपने भाई, लगभग निवर्तमान हो चुके राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे से ज्यादा थी, क्योंकि उन्होंने ही राष्ट्रपति के नाते मई, 2009 में तमिल इलाकों को तहस-नहस करवाने के बाद लगभग ढाई दशक से चल रहे गृहयुद्ध को खत्म करवाया था। राजपक्षे परिवार ने तमिलों के पराभव को सिंहल बहुसंख्यकवाद के वर्चस्व की स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया था। राजपक्षे परिवार की ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश के शीर्ष चार पदों पर परिवार के लोग ही थे; इसके अलावा नौकरशाही, सेना और अन्य पदों पर भी इसी खानदान के लोग काबिज थे। सत्ता के अहंकार ने राजपक्षे परिवार को जनता के गुस्से का एहसास नहीं होने दिया। महीनों से सड़कों पर उतरे लाखों लोगों की यह बुलंद आवाज भी नहीं सुनाई पड़ी- गोता गद्दी छोड़ दो, गोता अब घर जाओ। गोतबाया ने हिसाब लगाया कि दूसरे परिवार के रानिल विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री बनाकर संकट पर काबू पाया जा सकता है। इस तरह सर्जरी के केस को पेनकिलर से ठीक करने की कोशिश होती रही। लेकिन रोजमर्रा का संकट बढ़ता रहा। पेट्रोल-डीजल, खाने-पीने की चीजों और दवाओं की कमी ने आम आदमी की दुश्वारियों को असहनीय बना दिया। अनन्‍ संकट की वजह यह रही कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने रासायनिक खाद के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। पिछले सीजन में अनाज की पैदावार में भारी गिरावट आ गई। खत्म हो रही विदेशी मुद्रा से तेल आयात रुकने लगा। विदेशी कर्ज की अदायगी से हाथ खड़ा कर देने वाली सरकार ने प्रमाण दे दिया कि देश वस्तुतः दीवालिया हो चुका है। इन स्थितियों में भी भारत ने 3.5 खरब डॉलर की मदद दी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की टीम दस दिनों तक कोलंबो में रहने के बाद भी कोई भरोसा दिए बगैर लौट गई। प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे ने कहा कि इस साल घोर मंदी रहेगी और अनन्, ईंधन व दवाओं का जबर्दस्त अभाव बना रहेगा। सच यह है कि राजपक्षे परिवार ने कांटों और जहरीले कीटों से भरी जिस गहरी खाई में देश को धकेल दिया है, उससे निकलना आसान नहीं है। श्रीलंका घृणा की राजनीति का कुफल भोगने के अभिशाप का एक क्लासिक उदाहरण है। 1948 में आजाद होने के बाद ही सिंहल वर्चस्व की स्थापना का रास्ता तलाशा जाने लगा था। 1956 में करीब 15 प्रतिशत जनता की भाषा, तमिल के वजूद को नकारते हुए सिंहली को देश की एकमात्र भाषा का दर्जा देने का कानून बन गया। व्यापक दबाव में बाद में इसमें परिवर्तन किया गया। इसी एक भाषा नीति की वजह से बौद्ध भिक्षु सोमारामा थेरो ने 1959 में प्रधानमंत्री एसडब्ल्यूआरडी भंडारनायके को उन्हीं के आवास पर गोली मार दी थी। सिंहल वर्चस्ववादी सरकार ने धीरे-धीरे साफ कर दिया कि श्रीलंका में तमिलों के लिए जगह नहीं है। वर्षों से रह रहे तमिलों को नागरिकता देने के बजाय भारत को लाखों तमिलों को अपनाने के लिए बाध्य किया गया। 1964 के शास्त्री-सिरिमावो समझौते के बाद भी तमिल समस्या हल नहीं हुई, जिसकी परिणति अंततः 26 साल के गृहयुद्ध में हुई। सिंहली नेता समझ नहीं पाए कि जब दिमागों में नफरत भरी जाती है और समाज का सैन्यीकरण होने लगता है, तो उसका दुष्परिणाम एक वर्ग तक सीमित नहीं रहता। पिछली शताब्दी के आठवें दशक में उग्र सिंहली संगठन, जनता विमुक्ति पेरामुना रोहण विजयवीर के नेतृत्व में सत्ता हथियाने से बस थोड़ी दूर रह गया था। यह छोटे स्तर का गृहयुद्ध था। सिंहली नेताओं ने एक और घातक चूक की। अरमान और औकात के बीच नाभिनाल के संबंध की बिल्कुल अनदेखी करते हुए वे भू-राजनीतिक खेल में कूद पड़े।

विदेश में पढ़े सिंहली नेता भू-राजनीति के इस बुनियादी सिद्धांत को भूल गए कि जिनकी जेबें और बखार लबालब न भरे हों, उन्हें इस खतरनाक खेल से दूर रहना चाहिए। भारत को चिढ़ाने के लिए, सामरिक महत्व के त्रिंकोमाली बंदरगाह पर वॉयस ऑफ अमेरिका का स्टेशन बनाने की अनुमति अमेरिका को दे दी। वहां चीन ही नहीं, पाकिस्तान का भी प्रभाव बढ़ने लगा। तमिल इलाकों में रसद पहुंचने का मार्ग बाधित कर दिया गया। इंदिरा गांधी जैसी कड़क प्रधानमंत्री भला यह सब कैसे बर्दाश्त करती! भारतीय लड़ाकू विमानों ने बहुत नीचे की उड़ान भरकर तमिल इलाकों में रसद गिरानी शुरू कर दी। श्रीलंका की संकीर्ण नीतियों के कारण 1987 का राजीव-जयवर्धने समझौता भी विफल हो गया, जबकि इससे ऐतिहासिक समाधान निकल सकता था। कंगाली से उबरने के लिए समावेशी, सर्वग्राही लोकतांत्रिक मार्ग पर चलना श्रीलंका के लिए जरूरी है। बीस फीसदी आबादी (15 फीसदी तमिल और पांच फीसदी मुसलमान) के अस्तित्व को नकार कर आंतरिक शांति असंभव है। और उसके बिना आर्थिक खुशहाली भी नामुमकिन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के व्यापक आर्थिक हस्तक्षेप से ही कई वर्ष बाद श्रीलंका आर्थिक संकट से उबर सकता है। लेकिन जनता को इस सहायता की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। महंगाई बेलगाम होती जाएगी, खाने-पीने की चीजों की किल्लत बनी रहेगी, पेट्रोल-डीजल का अभाव बना रहेगा, नए-नए करों से आमदनी और घट जाएगी, कल्याणकारी योजनाओं पर अंकुश लग जाएगा। संक्षेप में, जनता को उन सभी यंत्रणाओं से गुजरना पड़ेगा, जो अनेक लातिन अमेरिकी और दक्षिण कोरिया व इंडोनेशिया जैसे देशों की जनता ने अतीत में भोगी है। समान नागरिकता के आधार पर कारगर सामाजिक-सांविधानिक सुधारों की अनुपस्थिति में मुसीबत फिर भी बनी रहेगी। संसद अध्यक्ष सत्ता की बागडोर अपने हाथों में ले लें और निकट भविष्य में चुनाव हो जाए, तो वह एक मामूली शुरुआत होगी। तमिल जनता नए संविधान की मांग कर रही है। ये सब हो जाने पर भी सिंहल नेताओं को दिलों से धार्मिक-नस्ली नफरत निकाल देने की अपरिहार्य शर्त पूरी करनी पड़ेगी। अन्यथा इतिहास की पुनरावृत्ति तो क्रूरतापूर्ण होती ही है।

अमरनाथ यात्रा: पहाड़ों पर बादलों का कहर

मौसम विभाग के निदेशक ने 'फ्लैश फ्लड' से इनकार नहीं किया, किंतु कहा कि अमरनाथ गुफा के ऊपर पानी पहाड़ों पर तेज बारिश से आया होगा। बीती आठ जुलाई शाम साढ़े पांच बजे अचानक अमरनाथ जी की पवित्र गुफा के ऊपर व पार्श्व से आए तेज पानी के सैलाब में समीप में नीचे लगे करीब 25 तंबू, लंगर और तीन सामुदायिक रसोइयां बह गईं। इससे पहले ऊचांइयों में भारी बरसात हुई थी। भीषण जल प्रवाह की चपेट में आने से 16 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई लापता हो गए। मीडिया ने तत्काल इस जल प्रलय का कारण पवित्र अमरनाथ गुफा में 'क्लाउड बर्स्ट' यानी बादल फटना बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अन्य लोगों ने भी अपने संवेदना संदेशों में इसका कारण आकस्मिक 'क्लाउड बर्स्ट' को ही बताया था। बादल फटने से 100 मिलीमीटर या करीब चार इंच बरसात एक ही घंटे में हो जाती है। एक-दो वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कुछ मिनटों में ही एक इंच बरसात हो जाती है। इस बार अमरनाथ यात्रा 30 जून से शुरू हुई थी और दुर्घटना के समय पवित्र धाम में लगभग पंद्रह हजार यात्री थे। किंतु दुर्घटना के अगले दिन यानी नौ जुलाई को भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि हो सकता है कि यह क्लाउड बर्स्ट न हो। मौसम विभाग के अनुसार, बादल विस्फोट की स्थिति में 10 सेंटीमीटर प्रति घंटे की बरसात करीब 20 से 30 वर्ग किलोमीटर के भौगोलिक क्षेत्र में होती है। पवित्र धाम में केवल 31 मिलीमीटर बरसात शाम 4.30 से 6.30 बजे के बीच हुई। मौसम विभाग के निदेशक ने 'फ्लैश फ्लड' से इनकार नहीं किया, किंतु कहा कि अमरनाथ गुफा के ऊपर पानी पहाड़ों पर तेज बारिश से आया

होगा। चूंकि बादल विस्फोट बहुत ही सीमित क्षेत्र में होते हैं, इसलिए इनकी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता है। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण बात यह समझनी चाहिए कि यदि हम नदियों या नालों के जल प्रवाह के बाढ़ प्रसार क्षेत्र में बसना शुरू कर देंगे, तो देर-सबेर हम किसी न किसी जल त्रासदी की चपेट में आ ही जाएंगे। इस संदर्भ में पवित्र अमरनाथ गुफा क्षेत्र से आई तस्वीरों में नंगी आंखों से भी दिख रहा था कि तंबू उसी नदी / नाले / जलधारा के पाट में लगे थे, जिनमें कभी सूखी, कभी केवल बारीक धारा या कभी तेज बरसाती पानी आता है। निस्संदेह हर अतिवृष्टि बादल विस्फोट नहीं होता है। किंतु 'क्लाउड बर्स्ट' को बोलचाल में इतना आम कर दिया गया है कि अतिवृष्टियों के पहले बादलों की भारी गड़गड़ाहट और आकाशीय बिजली की बहुतायत व भारी नुकसान को भी आमजन मीडिया से बातचीत में बादल विस्फोट होना कह देता है। उत्तराखंड के लोग इसे स्थानीय बोलचाल में पणगोला फूटना भी कह देते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले चार-पांच दशकों में नदी घाटियों में बड़ी बंद परिधि में पानी जमा करने की सैकड़ों बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं बनी हैं। बड़े-बड़े मानवकृत जलाशय से पहाड़ों में आसपास के क्षेत्रों में अतिवृष्टि की घटनाएं बढ़ सकती हैं। अतिवृष्टि चाहे किसी भी कारण से हो, भले ही उन्हें बादल विस्फोटों के वर्ग में न रखा जा सकता हो, जैसे अमरनाथ हादसे के संदर्भ में मौसम वैज्ञानिक कह रहे हैं, तब भी पहाड़ी ढालों पर जल प्रवाह विध्वंसक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ता है। खेत बह जाते हैं। खड़ी फसलें बर्बाद हो जाती हैं। खेत पत्थर बजरी से पट जाते हैं। पहाड़ी गांव के कस्बाई बाजार कई-कई फुट मलबे के ढेर से पट जाते हैं। बहते पानी की राह में पड़ने वाले मकान, दुकान, स्कूल, गौशालाएं, पेयजल प्रणालियां, पेयजल के प्राकृतिक स्रोत आदि क्षतिग्रस्त और पूरी तरह ध्वस्त भी हो जाते हैं। केदारनाथ में मध्य जून, 2013 में आई जल प्रलय की त्रासदी बादल विस्फोटों से ज्यादा एक हिमनद झील से संबंधित थी, किंतु उन्हीं दिनों दो-एक दिन के अंतराल में गढ़वाल व कुमायूं में अतिवृष्टि की घटनाएं भी हुई थीं। चेतावनी शायद अभी बादल फटने की न दी जा सके, क्योंकि ये काफी हद तक स्थानीय घटनाएं होती हैं, किंतु डॉप्लर रडारों के जरिये चेतावनी वाले पक्ष को मजबूत किया जा सकता है।

नहीं रहे बेजुबानों-असहायों की आवाज 'अवधेश कौशल

खास रहा है उनका व्यक्तित्वपद्मश्री अवधेश कौशल वो अजात शत्रु थे जिनको उनसे लड़ने में मजा आता था जिनसे सारा जमाना डरता था।वह मानवाधिकारों के बहुत बड़े पैरोकार थे। देहरादून की ऐसी महान शख्सियत के न होने से हुए खालीपन को शायद ही कभी भरा जा सकेगा। गरीबों के मसीहा, बेजुबानों की आवाज और समाज की विसंगतियों तथा अन्याय-शोषण और ज्यादतियों के खिलाफ निडर हो कर लड़ने वाले महान योद्धा अवधेश कौशल नहीं रहे। उन्होंने मंगलवार सुबह देहरादून के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। पद्मश्री अवधेश कौशल वो अजात शत्रु थे जिनको उनसे लड़ने में मजा आता था जिनसे सारा जमाना डरता था। वह मानवाधिकारों के बहुत बड़े पैरोकार थे। देहरादून की ऐसी महान शख्सियत के न होने से हुए खालीपन को शायद ही कभी भरा जा सकेगा। अवधेश कौशल का व्यक्तित्व और कृतित्व इतना विशाल था कि जिसका वर्णन चन्द पंक्तियों में नहीं किया जा सकता। फिर उनके व्यक्तित्व के सागर से चन्द बाल्टियां निकालने से पहले बता दूं कि अवधेश कौशल वही शख्स थे जिन्होंने उत्तराखण्ड के पांच पूर्व मुख्यमंत्रियों से सरकारी भवन खाली कराने के साथ उनसे वाहन, स्टाफ आदि सरकारी सुविधाएं भी छिनवाई और अदालत से उन पूर्व मुख्यमंत्रियों से किराया, बिजली, पानी आदि की वसूली का आदेश भी कराया जो कि करोड़ों में बैठता है। उत्तराखण्ड के जनजातीय क्षेत्रों की परम्परागत सामंती व्यवस्था में बंधुवा मजदूर पीढ़ी दर पीढ़ी अपने मालिकों के खेत खलिहानों में काम करते थे। इस व्यवस्था के खिलाफ सबसे पहले आवाज उठाने वाले अवधेश कौशल के साथ ही पत्रकार नीवन नौटियाल, भारत डोगरा तथा कुंवर प्रसून ही थे। आज अगर देश में बंधुआ मजदूरी उन्मूलन अधिनियम-1976 लागू है तो उसका श्रेय पद्मश्री अवधेश कौशल को ही जाता है। वर्ष 1972 में कई गांवों का भ्रमण करने के बाद जब अवधेश कौशल ने पाया कि बड़े पैमाने पर लोगों से बंधुआ मजदूरी कराई जा रही है तो वह इसके खिलाफ खड़े हुए। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से मुलाकात कर बंधुआ मजदूरों का सर्वे करवाया। उस समय सरकारी आंकड़ों में ही 19 हजार बंधुआ मजदूर पाए गए थे। इसके बाद उन्होंने वर्ष 1974 बैच के अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को बंधुआ मजदूरी प्रभावित गांवों का भ्रमण कराया। जब सरकार को स्थिति का पता चला तो वर्ष 1976 में बंधुआ मजदूरी उन्मूलन एक्ट लागू किया गया। मुझे याद है जब अवधेश कौशल नेहरू युवा केन्द्र से सेवा निवृत हुए थे तो सरकारी नौकरी में रहते हुए भी सामाजिक कार्य करते रहने से उनकी छवि और अनुभव को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं विदेश सेवा के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने वाली देश की शीर्ष संस्था लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी मसूरी में असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्त किया था।

संक्षिप्त समाचार

खेदड़ में महापंचायत आज ,पहुंचेंगे राकेश टिकैत और गुरनाम सिंह चढ़ूनी

नई दिल्ली । थर्मल प्लांट की राख उठान का हक दिए जाने की मांग को लेकर ग्रामीण करीब तीन महीने से धरना दे रहे हैं। आठ जुलाई को पुलिस के साथ टकराव में ग्रामीण धर्मपाल की मौत हो गई थी। ग्रामीणों ने शव को धरना स्थल पर रखा है। हिसार के खेदड़ में महापंचायत को लेकर सुबह 10 बजे से लोग पहुंचना शुरू हो गए हैं। पुलिस की ओर से खेदड़ गांव की ओर जाने वाले रोड पर बेरिकेड्स लगाए गए थे। पुलिस ने भारी भरकम पत्थर लगाकर रास्ता बंद किया गया है। जब ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली तो ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंच गए। ट्रैक्टर की मदद से पत्थर हटाए गए। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। महापंचायत में करीब 12 बजे राकेश टिकैत और गुरनाम सिंह चढ़ूनी पहुंचेंगे। बता दें कि थर्मल प्लांट की राख उठान का हक दिए जाने की मांग को लेकर ग्रामीण करीब तीन महीने से धरना दे रहे हैं।

शराब पीने से रोका तो पत्नी की गर्दन काटा

नई दिल्ली । शव के पास काटा सलाद और पीता रहा शराब, दो घंटे बाद परिजनों को बतायाहरियाणा के पानीपत जिले के गांव धनसौली में सोमवार रात को शराब पीने से रोकने पर पति ने पतने की कस्सी से गर्दन काटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद पति ने शव के पास बैठकर ही सलाद काटा और शराब पी। दो घंटे तक शराब पीने के बाद आरोपी ने अपनी मां और बेटे को हत्या की वारदात के बारे में बताया। इसके बाद नशे में धुत आरोपी घर में ही टहलता रहा बेटे ने सनौली थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। डीएसपी समालखा और सनौली थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। फिर शव को सिविल अस्पताल भिजवाया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मंगलवार की शाम गांव में ही मृतका के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पुलिस के अनुसार गांव धनसौली निवासी मेजर (50) पुत्र धनपत शराब का आदी है।

वाहन से टक्कर मारने के बाद फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली । पीडित की हो गई थी मौतपुलिस ने बताया कि 10 जुलाई को एक तेज रफ्तार कार ने लाला लाजपत राय मार्ग पर एक व्यक्ति को टक्कर मार दी थी। इसके बाद आरोपी फरार हो गया था। पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसका निधन हो गया था दिल्ली में लाला लाजपत राय मार्ग पर 10 जुलाई को तड़के एक व्यक्ति को टक्कर मारकर फरार होने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की कार को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि 10 जुलाई को एक तेज रफ्तार कार ने लाला लाजपत राय मार्ग पर एक व्यक्ति को टक्कर मार दी थी। इसके बाद आरोपी फरार हो गया था। पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसका निधन हो गया था। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी कार चालक की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने बताया कि विभिनन्‍ सीसीटीवी कैमरों की जांच करने के बाद आरोपी की शिनाख्त हो गई। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

थार में सवार दो युवकों पर लाठी-डंडे से हमला

नई दिल्ली । कार सवारों ने जमकर की तोड़फोड़, घटना में कैददादरी में कार सवारों ने थार में टक्कर मार दी। इसके बाद आरोपियों ने थार के शीशे तोड़ दिए और थार में सवार दो लोगों की जमकर पिटाई की। पीड़ितों ने किसी तरह भाग कर जान बचाई। घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है। गौतमबुद्धनगर जिले के दादरी नगर स्थित जीटी रोड पर टक्कर मारने के बाद कार सवारों ने थार में सवार दो युवकों पर लाठी-डंडे से हमला बोल दिया। आरोपियों ने थार में भी तोड़फोड़ की। किसी तरह दोनों युवक जान बचाकर भागे। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है और फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया पीड़ित ने अज्ञात युवकों के खिलाफ दादरी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले में पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी है। दादरी के नई आबादी निवासी फैजान ने बताया कि वह मंगलवार सुबह 9.30 बजे अपने दोस्त साजिद मेवाती के साथ थार से जीटी रोड पर उसे ठीक करवाने आया था। थार में काम कराने के बाद वह लौट रहा था। नगर पालिका के दफ्तर के सामने एक कार ने टक्कर मार दी। इसके बाद कार सवार दो युवक लाठी लेकर उतरे और थार के शीशे तोड़ने लगे। इस दौरान दूसरी कार भी आ गई। उसमें सवार तीन युवकों ने भी मारपीट की और थार में तोडफोड़ की। थार का गेट खोलकर जब पीड़ित भागने लगे तो आरोपियों ने उनकी पिटाई शुरू कर दी। किसी तरह उन्होंने अपनी जान बचाई। पकड़ा गया कार मालिक, बोला नेता के बेटे को बेची थी कार केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कार मालिक को हिरासत में ले लिया। सूत्रों का कहना है कि पुलिस ने कार मालिक से पूछताछ की तो पता चला कि उसने कार किसी नेता के बेटे को बेच दी थी। पुलिस ने कार खरीदने वाले से भी इस मामले में पूछताछ की है। इस संबंध में एसीपी नितिन सिंह का कहना है कि कार मालिक और कार खरीदने वाले से पूछताछ की गई। उसने बताया कि टक्कर मारी नहीं लग गई थी। वह किसी नेता का बेटा है या नहीं इसकी जानकारी नहीं है।

बाइक चुराकर मोबाइल लूटने वाले पांच गिरफ्तार

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-63 पुलिस ने मंगलवार को सी ब्लॉक सब्जी मंडी के पास से एनसीआर में मोबाइल लूटने और वाहन चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के पांच बदमाशों गिरफ्तार किया। इनके पास से 15 मोबाइल व चोरी की दो बाइक बरामद की गई हैं। बदमाशों की पहचान शाहदरा दिल्ली निवासी आकाश चौहान, सेक्टर-63 निवासी दिलशाद, साहिबाबाद निवासी रवि सिसौदिया, सेक्टर-63 निवासी सुशील मिश्रा उर्फ अतुल और सूरज जोशी के रूप में हुई है। आकाश व रवि सिसौदिया ने चार दिन पहले दिल्ली के ज्वाला नगर से पैशन बाइक चोरी की थी।

आकाश ने अन्य साथियों के साथ नौ जुलाई को सेक्टर-63 में इसी बाइक से एक युवक से मोबाइल लूटा था। वहीं, दिलशाद व सूरज जोशी ने कुछ दिन पहले गाजियाबाद से बाइक चुराई थी। चोरी की बाइक से आरोपी नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद व आसपास के इलाकों में मोबाइल लूटते थे। इसके बाद मोबाइल को गरीब व मजदूरों सस्ते दाम में बेच देते थे। नोएडा सेंट्रल जोन के एसीपी अब्दुल कादिर का कहना है कि आकाश पर दिल्ली, गाजियाबाद व नोएडा में 20, रवि सिसौदिया पर चार और दिलशाद पर दो मुकदमे दर्ज हैं।नोएडा। जन्मदिन की पार्टी के लिए कैमरामैन को बुलाकर सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास बदमाशों ने चार लाख रुपये का कैमरा लूट लिया। आरोपियों ने जस्ट डायल से नंबर लेकर कैमरामैन से संपर्क किया था। मामले में कोतवाली सेक्टर-113 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। हर्ष विहार, दिल्ली निवासी कैमरामैन दिनेश पाठक ने पुलिस से शिकायत की है कि 10 जुलाई को उनके पास जस्ट डायल के जरिये एक शख्स का फोन आया था। जन्मदिन पार्टी की बुकिंग कर शख्स ने एडवांस में 1500 रुपये फोन पे पर ट्रांसफर किए और सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास बुला लिया। शाम छह बजे बाइक पर दो युवक मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचे और जितेंद्र को साथ चलने के लिए कहा। इसी दौरान बाइक सवार कुछ और युवक आ गए। इसके बाद पिटाई कर कैमरा लूट लिया। जितेंद्र का आरोप है कि जिस नंबर से उन्हें पेटीएम किया गया था वह अब भी चालू है। इसके बावजूद कोतवाली पुलिस मामले का संज्ञान नहीं ले रही है।

शराब पिलाकर महिला से बनाए संबंध

नई दिल्ली । पारिवारिक विवाद के कारण पति से अलग रह रही थी पीडिता आरोपी ने कमरे में पीडिता को शराब पिला दी और नशे की हालत मे उसके साथ दुष्कर्म किया। नशा उतरने के बाद वह महिला को उसकी मां के घर छोड़ने आया। बल्लभगढ़ सदर थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ शराब पिलाकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीडित महिला की मां की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने बताया कि पारिवारिक विवाद के कारण वह पति के घर की बजाय अपनी मां के साथ रहती है। तीन साल पहले गांव दयालपुर निवासी बनिया नाम के युवक से उसकी जान पहचान हुई थी। वह उनके घर पर पीएनजी गैस की रीडिंग लेने आता था। आठ जुलाई को बनिया महिला से मिलने आया और बाइक पर बिठाकर अपने साथ दयालपुर ले गया। आरोपी ने कमरे में पीडिता को शराब पिला दी और नशे की हालत मे उसके साथ दुष्कर्म किया। नशा उतरने के बाद वह महिला को उसकी मां के घर छोड़ने आया। पीडिता की मां ने इस दौरान आरोपी को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह जान से मारने की धमकी देते हुए छूटकर भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

नोएडा में कांवड़ मार्ग पर नहीं होगी अवैध रूप से मीट और शराब की बिक्री

नोएडा। आरआरटी होगी तैनात; ड्रोन से भी निगरानीकांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी तैयारियों में जुटे हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) लव कुमार ने कहा कि मार्ग पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। स्थिति पर नजर रखने के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा और आरआरटी (रैपिड रिस्पांस टीम) को तैनात किया जाएगा। कांवड़ मार्ग पर मीट और शराब की बिक्री नहीं होगी। जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्य योजना बनाकर आदेश का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। वहीं, खाद्य विभाग के अधिकारियों से कहा गया है कि कांवड़ यात्रा के दौरान कोई मिलावटी और अशुद्ध खाद्य सामग्री की बिक्री न हो। इसके अलावा जांच के नाम पर किसी विक्रेता का उत्पीड़न भी न हो। पुलिस भी कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा चाक चौबंद करने में जुटी है। कांवड़ यात्रा के संबंध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंनेकहा कि मार्ग पर किसी तरह का जलभराव न हो, सफाई और प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। मार्ग पर पत्थर न हों, जिससे यहां से गुजरने वाले कांवड़ियों को परेशानी उठानी पड़े। कांवड़ मार्ग पर बिकने वाले खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच की जाए। जिससे कोई प्रदूषित सामग्री न बेच सके। वहीं, संयुक्त पुलिस आयुक्त लव कुमार ने बताया कि कांवड़ यात्रा से पहले थाना पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वह अपने क्षेत्र की मीट की अवैध दुकानों को बंद कराना सुनिश्चित करें। यात्रा के दौरान कोई भी मीट की अवैध दुकान खुली नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा जहां भी मीट की बिक्री हो वह नियमों का पालन कराए। इसके साथ ही मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखें और निरंतर जांच और गश्त करें। आरआरटी होगी तैनात, ड्रोन से होगी निगरानी कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी तैयारियों में जुटे हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) लव कुमार ने कहा कि मार्ग पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। स्थिति पर नजर रखने के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा और आरआरटी (रैपिड रिस्पांस टीम) को तैनात किया जाएगा। वहीं, अवैध रूप से मीट व शराब की बिक्री भी नहीं होने दी जाएगी। कांवड़ यात्रा 15 जुलाई से 26 जुलाई तक होगी। कांवड़ यात्रा के दौरान शासन के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। जिले के सभी कांवड़ मार्गों का निरीक्षण किया गया है और व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

बोले- यूपी सरकार के कामकाज पर टिप्पणी नहीं, मैं नोएडा में रहता हूं

नई दिल्ली । राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष के साझा उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने जहां केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला, वहीं यूपी सरकार पर कोई टिप्पणी नहीं की। यशवंत सिन्हा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के कामकाज को लेकर वह कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। चूंकि, उनके अंदर भी बुलडोजर का भय है। वह यूपी के ही नोएडा में रहते हैं। कुछ कह दूंगा तो हो सकता है कि वह मेरा मकान गिराने के लिए भी बुलडोजर भेज दें। यह बात उन्होंने पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में कही। यशवंत सिन्हा ने कहा कि संयुक्त विपक्ष के साझा उम्मीदवार के रूप में मैंने अब तक केरल, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, कर्नाटक, गुजरात, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान का दौरा किया है। मैं भूपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा व पंजाब के अन्य कांग्रेस नेताओं को चुनाव में मेरी उम्मीदवारी का समर्थन करने पर धन्यवाद देता हूं। मैं दिल से पंजाब और हरियाणा का आदर करता हूं क्योंकि दोनों ही राज्य भारत के दूसरे एवं सर्वमान्य रूप से सम्मानित प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के नारे 'जय जवान जय किसान' का आदर्श उदाहरण पेश करते हैं। मैं किसान आंदोलन के सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देता हूं। करीब एक साल तक चला गौरवशाली किसान आंदोलन विश्व इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे लंबा और सबसे शांतिपूर्ण आंदोलन था। उस संघर्ष से जो सीख मिली है वो निश्चित रूप से व्यर्थ नहीं जाएगी। सिन्हा ने कहा कि भारत के 15वें राष्ट्रपति का चुनाव बेहद मुश्किल परिस्थितियों में हो रहा है। इससे पहले कभी ऐसा कभी नहीं हुआ। 1970 के दशक के मध्य में आपातकाल के दौरान भी हमारे गणतंत्र को संविधान के लिए एक साथ इतने खतरों का सामना नहीं करना पड़ा था। आज सरकार के कुप्रबंधन के कारण अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब है, जिससे अभूतपूर्व मूल्य वृद्धि और बेरोजगारी पैदा हो रही है। हमारा लोकतंत्र गंभीर खतरे में है। सत्ताधारी दल और उनकी सरकार द्वारा लोकतांत्रिक शासन की प्रत्येक संस्था को नष्ट किया जा रहा है। ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग जैसी एजेंसियों और यहां तक कि राज्यपाल कार्यालय का इस्तेमाल विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाने, विपक्षी दलों में दलबदल करवाने और विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को गिराने के लिए हथियार के रूप में किया जा रहा है। चुनाव जीतने के लिए, सत्तारूढ़ दल ने भारत के विविधता से भरे समाज का सांप्रदायिक रूप से ध्रुवीकरण कर एक बुरी साजिश रची है। जिसके न केवल सामाजिक शांति के लिए, बल्कि देश की एकता और अखंडता के लिए भी खतरनाक परिणाम होंगे।

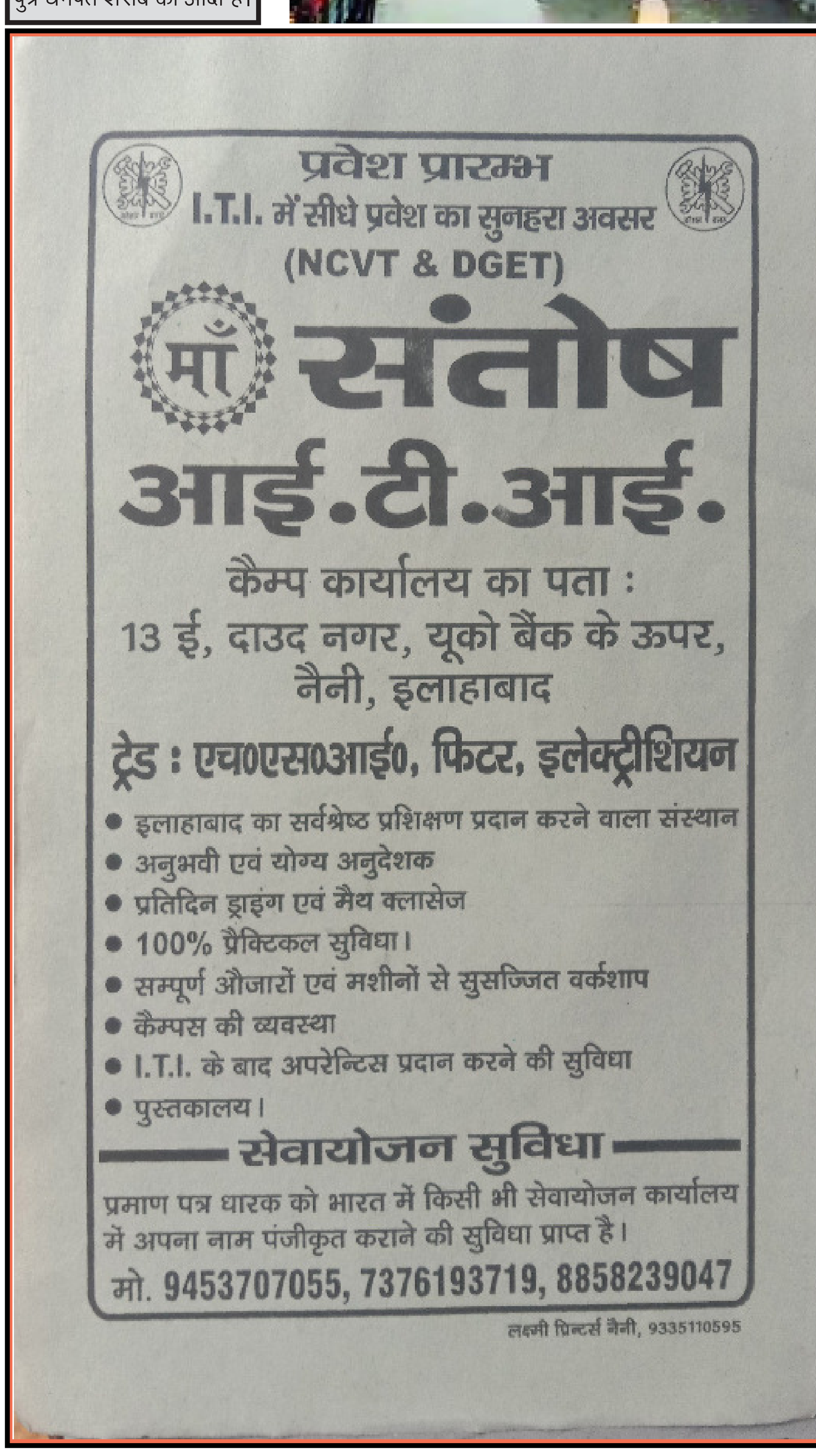

दिल्ली-रोहतक रेलमार्ग पर अभी नहीं चलेंगी सामान्य गाडियां

नई दिल्ली । किराये में राहत भी नहींरेलवे बोर्ड के अधिकारी विकास वत्स द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया है कि यात्री विशेष ट्रेनों की जगह सामान्य यात्री सेवाएं चलाने पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। दिल्ली-रोहतक रेलमार्ग पर अभी कुछ विशेष प्रकार की गाड़ियां चल रही हैं जिनमें न्यूनतम किराया 30 रुपये ही है दिल्ली-रोहतक-जींद-भिवानी रेलमार्ग पर प्रतिदिन यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को रेलवे ने बड़ा झटका दिया है। रेलवे अभी न तो सामान्य किराया लागू करेगा और ना ही सामान्य सवारी गाड़ी का संचालन करेगा। रेलवे ने सामान्य किराया व सामान्य सवारी गाडियों के संचालन के लिए मना कर दिया है। इससे रेल यात्रियों में हताशा का माहौल है। रेलवे ने यह जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत एक सूचना में दी है। रेल यात्रियों ने रेल विभाग से सामान्य सवारी गाड़ियों के शीघ्र संचालन की मांग की है। दरअसल, दिल्ली-रोहतक दैनिक रेल यात्री समिति के प्रवक्ता सतपाल हाड़ा ने जन सूचना अधिकार के तहत रेल गाड़ियों व किराये से संबंधित कुछ जानकारी रेल विभाग से मांगी थी। छह जुलाई 2022 को उत्तर रेलवे के सहायक परिचालन प्रबंधक/एफओआईएस ने जन सूचना अधिकार कानून-2005 के तहत दी गई जानकारी में बताया कि गाडियों का रद्द, पुनः संचालन, नई गाडियों का संचालन व विस्तार इत्यादि नीतिगत विषय है।

जीवन बीमा की किश्त भेजने के नाम पर ठगा

नई दिल्ली । शातिर ने क्यूआर कोड भेजा, मनी ट्रांसफर के माध्यम से लगाई एक लाख की चपतबहादुरगढ़ में एक मनी ट्रांसफर दुकानदार को एक शातिर ठग ने जीवन बीमा किश्त की रकम भेजने के नाम पर क्यूआर कोड भेजा और उसके खाते से एक लाख रुपये उड़ा लिए। ठगी करने वाले ने ये रकम दुकानदार के दो अलग-अलग खातों से उड़ाई। ये राशि पांच बार में चुराई गई। दुकानदार की शिकायत पर पुलिस ने एलआईसी की किश्त के रुपये भेजने वाले व उसके साथी ठग के खिलाफ मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में छोटूराम पार्क निवासी कृष्ण ने बताया कि उसने घर पर रिचार्ज और मनी ट्रांसफर की दुकान कर रखी है। गत 26 जून को उसके पास बिहार के सिवान के गांव मोराखास निवासी रंजीत प्रसाद आया और बोला कि मेरी बेटी की एलआइसी किश्त 15 हजार रुपये है। वो जमा करानी है। एलआइसी वाले का फोन आया है कि अकाउंट नंबर दे दो लेकिन उसके पास अकाउंट नंबर नहीं है। उसने बोला कि आप किसी मनी ट्रांसफर की दुकान पर जाओ और वहां से पैसे ट्रांसफर करवा दो। कृष्ण ने बताया कि रंजीत प्रसाद ने उसकी बात करवाई। फोन करने वाले ने पेटीएम नंबर मांगा और व्हाट्सएप नंबर पर क्यूआर कोड भेज दिया। उसने दो रुपये भेजने की बात कही तो मैंने दो रुपये उसके अकाउंट में भेज दिए। फिर बोला कि मैं 100 रुपये वाला क्यूआर कोड भेज रहा हूं तो उसने 100 रुपये भेज दिए। फिर उसने बोला कि एक मिनट में दो लेनदेन करनी होंगी। उसी पेटीएम से करनी होंगी। उसने तीन ट्रांजेक्शन की लेकिन भुगतान वापस नहीं आई। उसने एक-एक कर पांच ट्रांजेक्शन करवा ली। इसमें 15 हजार, 10 हजार और 25-25 हजार की तीन ट्रांजेक्शन दो अलग-अलग खातों से करवाकर एक लाख रुपये की चपत उसे लगा दी। कृष्ण ने थाना शहर पुलिस को इसकी शिकायत देकर रंजीत प्रसाद और फोन पर बात करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जी स्टूडियो की फिल्म में हुई नयनतारा की एंट्री, जल्द शुरू होने वाली है शूटिंग

नई दिल्ली। दक्षिण सिनेमा की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार नयनतारा के सितारे इन दिनों चमके हुए हैं। एक के बाद एक उन्हें धांसू फिल्में मिल रही हैं। एक तरफ वह शाहरुख खान की 'जवान' में अहम किरदार अदा कर रही हैं। वहीं, अब एक और शानदार फिल्म उनकी झोली में आ गिरी है। जल्द ही नयनतारा निर्देशक नीलेश कृष्णा की आगामी फिल्म में नजर आने वाली हैं। मेकर्स ने आज शानदार तरीके से इस फिल्म का एलान किया है। बता दें कि अभिनेत्री नयनतारा के करियर की यह 75वीं फिल्म है। नयनतारा की इस फिल्म को जी स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है। इस फिल्म का निर्देशन नीलेश कृष्ण कर रहे हैं। नवविवाहित नयनतारा के फैंस के लिए यह खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं है। बता दें कि मेकर्स ने बाकायदा एक जबरदस्त टीजर वीडियो के साथ इस फिल्म का एलान किया है। जी स्टूडियोज ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया है। इसके कैप्शन में लिखा है, 'जी स्टूडियो नयनतारा के साथ उनकी 75वीं फिल्म बनाने जा रहा है और इस बात को लेकर बेहद उत्सुक है। जल्द ही शूटिंग शुरू होगी।' बता दें कि नयनतारा हाल ही में शादी के बंधन में बंधी हैं। उन्होंने दक्षिण सिनेमा के निर्देशक विगन्शे शिवन के साथ चेनन्ई में शादी रचाई। वैसे नयनतारी की नई फिल्म के ऐलान से यह तो साफ है कि वह शादी के बाद फिल्मों से ब्रेक लेने के मूड में बिल्कुल नहीं हैं।आपको बता दें कि शाहरुख की 'जवान' के साथ नयनतारा हिंदी सिने दर्शकों के बीच पहली बार पहुंचने वाली हैं। अपने काम के प्रति नयनतारा बेहद गंभीर हैं। शादी होते ही वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स में बिजी हो चुकी हैं। 'जवान' और अपनी 75वीं फिल्म के अलावा नयनतारा चिरंजीवी स्टारर 'गॉडफादर' और अजित कुमार की 62वीं फिल्म में भी नजर आएंगी। इतना ही नहीं, नयनतारा इन फिल्मों के अलावा 'कनेक्ट' और 'गोल्ड' जैसी फिल्मों में भी नजर आने वाली हैं।

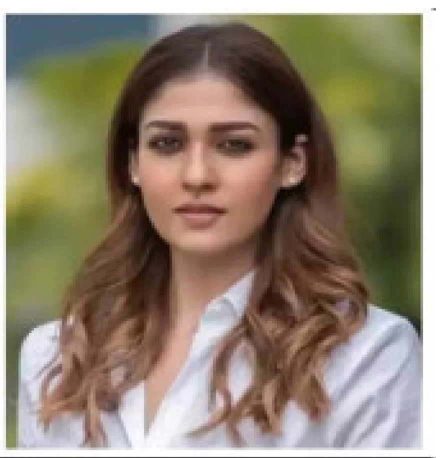

जब पहली नजर में दिल हार गई थी किंग खान की हीरोइन

नई दिल्ली। फिर यूं तबाह हुई माहिरा की जिंदगीमाहिरा खान पाकिस्तानी इंडस्ट्री का एक ऐसा नाम, जो सभी की जुबान पर रहता है। इनकी खूबसूरती और अदाकारी देश-विदेश के दर्शकों को लुभाती है। माहिरा एक ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने छोटे पर्दे से निकलकर इस इंडस्ट्री में कदम रखा और लाखों लोगों की धड़कन बन गई। उनकी फैन फॉलोइंग किसी भी बॉलीवुड अभिनेत्री से कम नहीं है। उन्होंने अपनी अदाकारी का जादू बॉलीवुड फिल्म 'रईस' में बखूबी बिखेरा था। हालांकि माहिरा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुखिर्यों में बनी रहती हैं। इनका नाम रणबीर कपूर के साथ भी जुड़ चुका है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह पाकिस्तानी अभिनेत्री एक बच्चे की मां हैं? जी हां, माहिरा खान ने साल 2007 में मशहूर निर्माता और निर्देशक अली अस्करी से शादी की थी। लेकिन उनका यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल सका। गौरतलब है अगर यह कपल आज साथ होता, तो वह अपनी शादी की सालगिरह मना रहा होता। इसी मौके पर हम आपको उनकी लव स्टोरी से लेकर...शादी और फिर तलाक तक की कहानी बताने जा रहे हैं। शाहरुख खान के साथ फिल्म 'रईस' में इश्क फरमाने वाली माहिरा ने अपने करियर की शुरुआत एक कैशियर के रूप में की थी। उनका सिनेमा जगत से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं था। लेकिन उनकी जिंदगी को कुछ और ही मंजूर था। विदेश में पढ़ाई के दौरान जॉब करते हुए माहिरा की जिंदगी में प्यार की शुरुआत हुई। माहिरा की पहली मुलाकात अली अस्करी से साल 2006 में अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर में हुई थी। दोनों एक दूसरे को पहली नजर में ही दिल दे बैठे थे। एक साल तक एक दूसरे को डेट करने के बाद माहिरा और अस्करी ने एक-दूसरे से शादी करने का फैसला किया। दोनों ने सभी रिश्तेदारों और परिवार वालों की मौजूदगी में निकाह पढ़ा। दोनों के बीच प्यार होने के बावजूद माहिरा के पिता हफीज खान इस शादी के सख्त खिलाफ थे, लेकिन अपने पिता को मनाकर माहिरा ने 13 जुलाई, 2007 में अली के साथ अपनी एक नई जिंदगी की शुरुआत की थी। शादी के बंधन में बंधने के बाद माहिरा खान और अली का शादीशुदा जीवन बहुत अच्छा चला रहा था। अली ने माहिरा को पाकिस्तान के सिनेमा में उनका नाम बनाने में बहुत मदद की। अली से शादी के बाद माहिरा का करियर ग्राफ बहुत बढ़ा था , जो शायद दोनों के बीच आगे चलकर खटास लाने का काम करने वाला था।

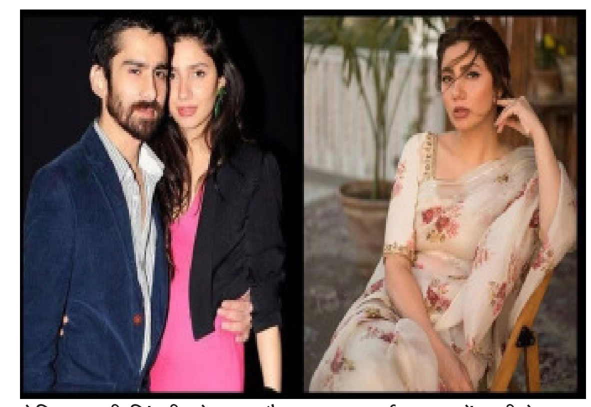

सुशांत मामले में एनसीबी का दावा, रिया चक्रवर्ती ने कई बार खरीदा था गांजा

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में बड़ा खुलासा किया है। जी हां, एनसीबी ने दावा किया है कि सुशांत सिंह राजपूत की कथित गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती ने अपने भाई शोविक समेत अन्य आरोपियों से कई बार गांजा खरीदकर अभिनेता सुशांत सिंह को दिया था। बता दें कि एनसीबी ने हाल ही में एनडीपीएस कोर्ट में सुशांत मौत मामले में 35 आरोपियों के खिलाफ मसौदा आरोप दाखिल किया था, जिसकी सुनवाई मंगलवार को हुई। 12 जुलाई को एनसीबी ने इस बात का भी खुलासा किया कि रिया चक्रवर्ती, शोविक समेत सभी आरोपियों ने एक दूसरे के साथ मिलकर मार्च 2020 से लेकर दिसंबर 2020 तक आपराधिक षड्यंत्र रचा था, ताकि वह ''बॉलीवुड और हाई सोसायटी'' में ड्रग्स का वितरण, बिक्री और खरीद कर सकें। एनसीबी ने मंगलवार को दावा किया कि आरोपियों ने मुंबई के भीतर न केवल ड्रग्स की तस्करी की फंडिंग की बल्कि गांजा, चरस, कोकीन जैसे नशीले पदार्थों का इस्तेमाल भी किया था। अवैध तस्करी को वित्तपोषित करने और अपराधियों को शरण देने के लिए इन सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 27 और 27 ए लगाई गई है। इसके अलावा धारा 28 और धारा 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप तय करने से पहले अदालत सभी आरोपियों की दोषमुक्ति याचिका पर विचार करेगी। एनडीपीएस अधिनियम से संबंधित मामलों की सुनवाई करने वाले विशेष न्यायाधीश वी जी रघुवंशी ने मामले की सुनवाई के लिए 27 जुलाई की तारीख तय की है। यानी अब अगली सुनवाई 15 दिन बाद होगी।

लिफ्ट में मिली लखनऊ की लड़की, और रामगोपाल वर्मा ने बना दिया फिल्म की हीरोइन

नई दिल्ली। किस्से कुछ और लड़कियों केनिर्माता निर्देशक राम गोपाल वर्मा 'रंगीले' फिल्मकार है। उनकी फिल्मों की तरह उनकी अपनी दुनिया भी काफी रंगीन रही है। कोरोना संक्रमण काल में वह मुंबई में अपना आशियाना छोड़ गोवा में जा बसे और अब लौटे हैं एक नई 'लड़की' लेकर। 'लड़की' उनकी नई फिल्म का नाम भी है और इसमें वह बड़े परदे पर एक नई लड़की पूजा भालेकर को लॉन्च कर रहे हैं। फिल्म 'सत्या' और 'रंगीला' में उर्मिला मातोंडकर के नए रंग रूप से दर्शकों की पहचान कराने वाले राम गोपाल वर्मा बड़े परदे पर अब तक कई लड़कियों को लांच कर चुके हैं। राम गोपाल वर्मा की 'खोज' का तमगा पाकर जैसे पूजा भालेकर इन दिनों उत्साहित हैं, कुछ कुछ वैसी ही मनोदशा उन लड़कियों को भी रही जिनमें राम गोपाल वर्मा ने कभी अगला सुपरस्टार होने का दम देखा। चलिए, आपको बताते हैं राम गोपाल वर्मा का सानिध्य पाकर हिंदी सिनेमा में उनकी 'खोज' बनीं ऐसी ही पांच अभिनेत्रियों के बारे में बॉलीवुड के मशहूर फोटोग्राफर जगदीश माली की बेटी अंतरा माली को राम गोपाल वर्मा ने सबसे साल 1999 अपनी तमिल फिल्म 'प्रेम काढ़ा' में ब्रेक दिया था। यह फिल्म हिट रही जिसे तमाम अवार्ड मिले, इस फिल्म के बाद अंतरा माली ने रामगोपाल वर्मा की हिंदी में 'मस्त', 'कंपनी', 'रोड', 'डरना जरूरी है', 'गायब' और 'नाच' जैसी कई फिल्मों में अपने समय के बड़े सितारों के साथ काम किया। जब अंतरा माली निर्देशक बनीं तो उनकी फिल्म 'मिस्टर या मिस' को रामगोपाल वर्मा ने ही प्रोड्यूस किया। बाद में दोनों की पटी नहीं और रामू कैंप से निकलने के बाद अंतरा माली को कहीं और ठौर भी नहीं मिला। काफी कोशिशों के बाद फिल्मों में दोबार बात नहीं बनी तो अंतरा माली ने साल 2009 में जीक्यू मैगजीन के संपादक चे कुरियन से शादी कर ली और अभिनय को अलविदा कह दिया। निशा कोठारी ने एक्टिंग करियर की शुरुआत वैसे तो दक्षिण की फिल्मों से की लेकिन बॉलीवुड में उन्हें लाने का श्रेय राम गोपाल वर्मा को ही जाता है।

हार्ट अटैक की अफवाह पर चियान विक्रम ने जाहिर की नाराजगी

नई दिल्ली। बोले- मेरी फोटो को बीते दिनों साउथ के सुपरस्टार चियान विक्रम को हार्ट अटैक की समस्या के बाद अस्पताल में भर्ती होने की खबरें वायरल हो रही थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि अभिनेता को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि इस खबर को उनके बेटे ध्रुव ने अफवाह बताकर खारिज कर दिया था। अब अभिनेता चियान विक्रम ने एक इवेंट के दौरान अपने स्वास्थ्य से जुड़ी खबरों को लेकर रिएक्ट किया। दरअसल, अभिनेता विक्रम कोबरा के वीडियो लॉन्च इवेंट में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने हार्ट अटैक की अफवाहों पर विराम लगाया और बताया कि उनके चेहरे को किसी बीमार व्यक्ति के चेहरे के साथ मॉर्फ करके दिखाया गया। उन्होंने इस बात पर नाराजगी भी जताई कि मीडिया हाउस ने उनके इस मॉर्फ फोटो का इस्तेमाल किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने फैंस का साथ देने के लिए शुक्रिया अदा किया। सोशल मीडिया पर कोबरा इवेंट के दौरान का अभिनेता एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इसमें वह अपनी हेल्थ को लेकर बात करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह कह रहे हैं, 'मैंने मेरी सारी रिपोर्ट्स देखी हैं। कई लोगों ने मेरी फोटो को बीमार व्यक्ति की फोटो के साथ मॉर्फ करके थंबनेल इमेज की तरह इस्तेमाल किया। वह कुछ ज्यादा क्रिएटिव हुए, जो अच्छा भी है। मैंने अपनी लाइफ में बहुत कुछ एक्सपीरियंस किया है, तो यह मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं थी। मेरे परिवार, दोस्त और फैंस ने काफी साथ दिया है। इससे ज्यादा जीवन में और कुछ नहीं चाहिए।' बता दें कि विक्रम के मैनेजर और बेटे दोनों ने ही अपनी हेल्थ को लेकर अपडेट दिया था। इसके साथ ही उन्होंने हार्ट अटैक की सभी खबरों को अफवाह बताकर उन्हें प्राइवेसी देनी की बात कही थी। वहीं, वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता इन दिनों अपनी फिल्म 'पीएम 1' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 500 करोड़ के बजट में बनी मणिरतन्म की यह फिल्म 30 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

10 साल में रिया को नसीब नहीं हुई एक भी हिट फिल्म, सुशांत के अलावा इन विवादों में भी फंसीं

नई दिल्ली। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ग्ँ) ने रिया चक्रवर्ती, भाई शौविक चक्रवर्ती और अन्य आरोपियों के खिलाफ स्पेशल कोर्ट में ड्राफ्ट चार्ज फाइल किया है। इस मसौदे में एनसीबी ने दावा किया है कि रिया चक्रवर्ती, सुशांत सिंह के लिए ड्रग्स खरीदती थीं। इस खुलासे के बाद रिया की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। हालांकि यह पहला मामला नहीं है जब रिया का नाम विवादों में आया हो। इससे पहले भी कई बार रिया चक्रवर्ती विवादों के चलते सुखिर्यां बटोर चुकी हैं। पढ़िए. रिया चक्रवर्ती का जन्म 1 जुलाई, 1992 को बंगलुरू में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2009 में छोटे पर्दे के एमटीवी रियलिटी शो 'टीवीएस स्कूटी तीन दीवा' से की थी। वह इस शो की विजेता तो नहीं बन सकीं लेकिन रनरअप बनकर ही उन्हें संतोष करना पड़ा। उसके बाद वह एमटीवी के कई शोज को होस्ट करती नजर आईं। इसके बाद रिया ने 'बैंड बाजा बारात' के लिए ऑडिशन दिया था लेकिन उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। बॉलीवुड में किस्मत ने साथ नहीं दिया तो रिया ने साउथ की तरफ रुख कर लिया। साल 2012 में उनकी तेलुगू फिल्म 'तुनीगा तुनीगा रिलीज हुई। इसके साल भर बाद ही बॉलीवुड में उन्होंने बॉलीवुड में 'मेरे डैड की मारुती' से डेब्यू किया। दोनों ही फिल्में कुछ खास कमाल नहीं कर पाईं। साल 2014 में चारुदत्त आचार्य द्वारा निर्देशित और रमेश सिप्पी और रोहन सिप्पी द्वारा निर्मित, 'सोनाली केबल' भी रिया के करियर की फ्लॉप फिल्म रही। इसके बाद साल 2017 में अभिनेत्री ने रितेश देशमुख और विवेक ओबेरॉय के साथ अपनी किस्मत आजमाई। वह बैंक डकैती पर आधारित फिल्म 'बैंक चोर' में नजर आईं। ये फिल्म भी फ्लॉप हो गई। अगले साल 2018 में वह रोमांटिक ड्रामा फिल्म जलेबी में नजर आईं। रिया चक्रवर्ती के करियर की ये भी फिल्म फ्लॉप साबित हुई। सुशांत सिंह राजपूत केस के बाद 2021 में अमिताभ बच्चन के साथ अभिनेत्री की चेहरे फिल्म रिलीज हुई, ये भी फ्लॉप हो गई। अब तक अपने करियर के 10 साल में रिया चक्रवर्ती एक अदद हिट फिल्म के लिए तरस रही हैं। सिर्फ इतना ही नहीं रिया की जिंदगी भी विवादों से भरी हुई है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अभिनेता राजीव ने रिया के साथ अपनी काफी क्लोज तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की थी। मिनटों में ये तस्वीर आग की तरह फैल गई थी और रिया को ट्रोल्स का सामना करना पड़ा। काफी आलोचनाओं के बाद उन्होंने ये तस्वीरें डिलीट कर दी थीं। रिया चक्रवर्ती अपने ऑन स्क्रीन करियर और ऑफ स्क्रीन लाइफ में महेश भट्ट के साथ भी सुखिर्यों में रही हैं। रिया और महेश भट्ट की ऐसी तमाम तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर हुई हैं, जिसके बाद दोनों के रिश्ते पर सवाल उठते रहे हैं। हालांकि इस मामले में रिया का कहना था कि महेश भट्ट उनके लिए पिता समान हैं।

छठवें दिन धीमी हुई 'थॉर 4' की रफ्तार जानिए कलेक्शन में आई कितनी गिरावट

नई दिल्ली। अपनी रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही क्रिस हेम्सवर्थ की फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' की रफ्तार पहले मंगलवार को कुछ कम हुई है। वर्किंग डे होने की वजह से छठवें दिन फिल्म की कमाई में गिरावट आई है। रिलीज के छठवें दिन फिल्म ने शुरुआती अनुमान के मुताबिक करीब 4.50 करोड़ का कलेक्शन किया, जो कि सोमवार के मुकाबले कम है। फिल्म का टोटल कलेक्शन 74.72 करोड़ रुपये हो गया है। मार्वल स्टूडियोज की नई फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस का मंडे टेस्ट सफलतापूर्वक पास करने में कामयाब रही। पांचवे दिन कलेक्शन में कमी तो आई, लेकिन फिल्म ने अपना कलेक्शन बॉक्स ऑफिस पर संभाले रखा। मगर छठवें दिन के कलेक्शन में सोमवार के मुताबिक और कमी आई है। बता दें कि फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) में थॉर की चौथी फिल्म है और एमसीयू के एवेंजर्स का यह इकलौता किरदार है, जिसकी चार सोलो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। पिछली तीन फिल्मों से इस चौथी थॉर ने कहीं बेहतर कलेक्शन किया है। बीती 7 जुलाई (गुरुवार) को रिलीज हुई यह फिल्म गुरुवार को 18.6 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ खुली। हालांकि शुक्रवार को फिल्म के कलेक्शन में गिरावट आई थी और यह 11.55 करोड़ रुपये रहा। लेकिन फिर शनिवार को 36 प्रतिशत बढ़त के साथ शानदार वापसी हुई और शनिवार को फिल्म का कलेक्शन 16.70 करोड़ रुपये रहा। वहीं रविवार को 17.85 करोड़ रुपये की जबर्दस्त कमाई की। फिल्म ने पहले वीकएंड पर कुल 64.70 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। सोमवार को दफ्तर और बाजार खुलने के साथ ही फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' के कलेक्शन में कमी आई थी, लेकिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अहम मंडे टेस्ट पास कर लिया। फिल्म की कमाई सोमवार को करीब 5.42 करोड़ रही। मगर, मंगलवार को भी फिल्म के कलेक्शन में यह गिरावट जारी रही। शुरुआती अनुमान के मुताबिक फिल्म की कमाई मंगलवार को करीब 4.50 करोड़ रही है। फिल्म के इन आंकड़ों ने आने वाली दिनों में कमाई को लेकर चिंता जगा दी है। लेकिन, उम्मीद यह भी है कि शायद वीकेंड तक इस फिल्म के कलेक्शन में एक बार फिर उछाल देखा जाए। अगर ऐसा होता है तो यह फिल्म 100 करोड़ क्लब में शामिल होने में कामयाब रहेगी। फिलहाल पहले मंगलवार यानी छठवें दिन की कमाई के साथ फिल्म ने अब तक 74.72 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

प्रियंका चोपड़ा ने सास डेनिस के जन्मदिन पर साझा की खूबसूरत तस्वीर

नई दिल्ली। दिखी सहेली वाली बॉन्डिंगप्रियंका चोपड़ा ने सास डेनिस मिलर जोनस संग खूबसूरत तस्वीर साझा करते हुए खास अंदाज में उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। साथ ही भाई सिद्धार्थ को भी जन्मदिन विश किया है। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा का पति निक जोनस के साथ ही उनके परिवार से भी काफी मजबूत बॉन्ड है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने परिवार संग कई तस्वीरें साझा करती रहती हैं। आज निक की मां यानी प्रियंका चोपड़ा की सासू मां का जन्मदिन है। इस मौके पर एक्ट्रेस ने अपनी सास डेनिस मिलर जोनस संग खूबसूरत तस्वीर साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। तस्वीर में दोनों के बीच दोस्तों वाली बॉन्डिंग देखी जा सकती है। वहीं प्रियंका ने अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा की बचपन की तस्वीर साझा करते हुए एक खास नोट के जरिए जन्मदिन विश किया है। भाई सिद्धार्थ और सास डेनिस मिलर के जन्मदिन पर शेयर की खूबसूरत तस्वीरें प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी से सास डेनिस मिलर जोनस संग तस्वीर साथ करते हुए लिखा- 'हैप्पी बर्थडे मिली, लव यू सो मच, आपको हमारी जिंदगी में पाकर धन्य हैं।तस्वीर में दोनों के चेहरे पर बड़ी सी स्माइल देखी जा सकती है। वहीं भाई सिद्धार्थ की थ्रोबैक तस्वीर साथ करते हुए प्रियंका ने लिखा, ड्डलव यू सिड! हमेशा तुम्हारे साथ! जन्मदिन मुबारक हो, लव यू।' बता दें कि सिद्धार्थ एक्ट्रेस के छोटे भाई हैं और एक शेफ हैं।अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अब हॉलीवुड में भी अपने कदम जमा चुकी हैं बात करें वर्क फ्रंट की तो वह जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज सिटाडेल में नजर आएंगी। इस सीरीज में देसी गर्ल के अपोजिट अभिनेता रिचर्ड मैडेन हैं। इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा के हाथ में फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा भी है'। इस फिल्म में प्रियंका कटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

प्रभास से यश तक, सिर्फ भारत ही नहीं पाकिस्तान में भी खूब पसंद किए जाते हैं साउथ के ये सितारे

नई दिल्ली। सिर्फ बॉलीवुड के सितारे ही नहीं साउथ के सितारों का भी लोगों में खूब क्रेज है। हिंदी सिनेमा में इन दिनों साउथ के सितारे और उनकी फिल्में दोनों का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। साउथ की कोई भी पैन इंडिया फिल्म हिंदी में भी खूब पसंद की जा रही है। आपको बता दें कि दक्षिण भारत के इन सितारों का क्रेज सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पाकिस्तान में भी देखने को खूब मिलता है। साउथ के एक्टर्स की फैन फॉलोइंग पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी है। ये सितारे अब पाकिस्तान की जनता को भी अपना दीवाना बनाने लगे हैं। आज की इस खास रिपोर्ट में हम आपको साउथ के उन अभिनेताओं ने बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी पॉपुलरिटी नॉर्थ को क्रॉस करके पाकिस्तान जा पहुंची है। बाहुबली अभिनेता प्रभास के चाहने वाले जितने भारत में हैं, वहीं पाकिस्तान में भी उनके फैन फॉलोइंग कम नहीं हैं। प्रभास नॉर्थ से लेकर पाकिस्तान तक अपना परचम बुलंद करने में कामयाब हैं। जूनियर एनटीआर की हर फिल्म धांसू होती है। उनका किरदार, लुक्स और एक्टिंग की जितनी तारीफ की जाए कम है। अभिनेता की फिल्म आरआरआर ने बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाया था। और अब जूनियर एनटीआर पाकिस्तानी दर्शकों की पहली पसंद बन चुके हैं। महेश बाबू को भी साउथ का सुपरस्टार कहा जाता है। वह अपनी हर फिल्म से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाते हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म सरकारू वारी पाटा ने टिकट खिड़की पर खूब कमाई की है। टॉलीवुड के इस प्रिंस को पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी खूब लोकप्रियता मिली है। केजीएफ स्टार यश की पॉपुलरिटी तो हर जगह है। केजीएफ 1 के बाद केजीएफ चैप्टर 2 में उनका जलवा तारीफ के काबिल है। वह अपनी शानदार अदाकारी से लोगों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं। अब यश की पॉपुलरिटी भी नॉर्थ से होते हुए पाकिस्तान जा पहुंची है। पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन का तो हर कोई दीवाना है। उनकी फिल्म पुष्पा का डायलॉग 'झुकेगा नही' अभी भी लोग उतने ही टशन से बोलते हैं। उनकी हिंदी डब फिल्में सिर्फ भारत ही नहीं पाकिस्तान में भी खूब पसंद की जाती हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

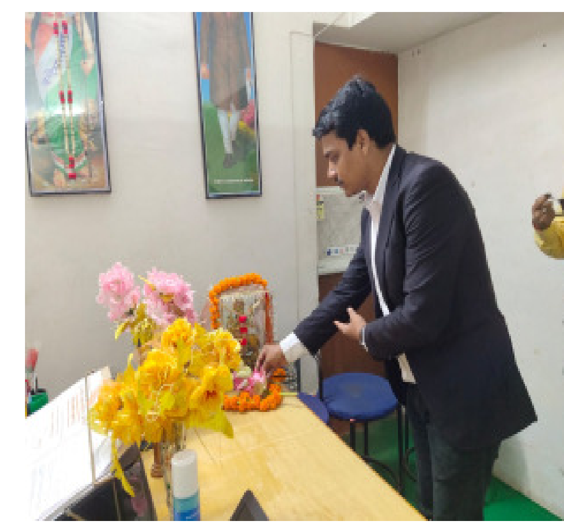

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

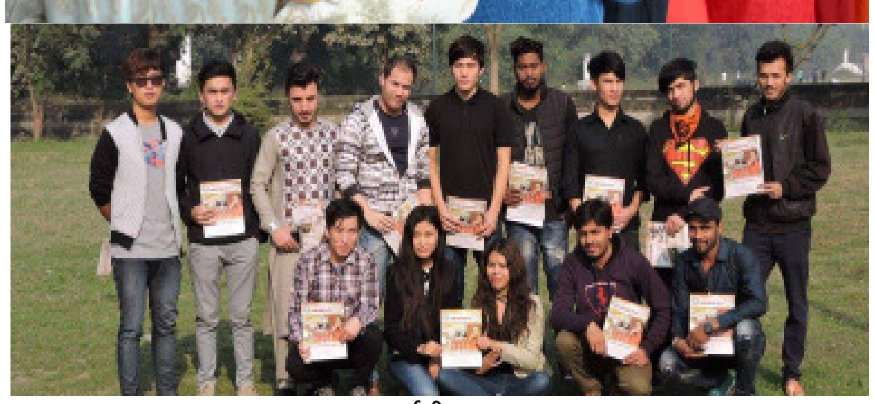

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274